Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 44
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शनिवार,13 सितम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 शादी समारोह को सुंदर बनाने में कैटरर्स का अहम योगदान
4 आंबेडकर की चेतावनी, लोकतंत्र के माध्यम से हिंदू
5 कौन हैं रितिका नायक? 'मिराय' में जिनकी मासूमियत

अयोध्या में बोले सीएम योगी

सनातनधर्मियों ने 500 साल तक अपनी आस्था के लिए संघर्ष किया

अयोध्या / लखनऊ (संवाददाता)। मॉरीशस के प्रधानमंत्री को अयोध्या एयरपोर्ट से विदा करने के बाद दोबारा अयोध्या धाम पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जगद्गुरु रामानंदाचार्य के रामघाट स्थित हरि गोपाल धाम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मुझे एक बार फिर अयोध्या धाम की पावन धरा पर नमन करने का अवसर मिला है। अभी मॉरीशस के प्रधानमंत्री एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु श्रीराम का दर्शन के लिए आए थे। दर्शन के उपरांत वह यहां से प्रस्थान किए हैं उनके द्वारा इस बारे में जानकारी ली जा रही थी कि कितने वर्षों के बाद अयोध्या में राम मंदिर का फिर से निर्माण हो पाया है तब हमने बताया कि 500 वर्ष लग गए हैं। 500 वर्षों तक कोई एक धर्म लगातार सम विषम परिस्थितियों में अपनी आस्था के लिए संघर्ष करें और अंततः प्राप्त करें यह अयोध्या में आज रामलाल के भव्य मंदिर और रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम से अयोध्यावासियों ने और सनातन धर्मियों ने करके दिखाया है। ये लोग बस यही कहते थे कि रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन पूज्य संतों की साधना और संघर्ष का परिणाम अयोध्या में भव्य राम मंदिर के रूप में हम सबको देखने को मिल रहा है। आज उन सभी संतो की आत्मा को शांति का अनुभव हो रहा होगा।

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातनधर्मियों ने 500 वर्षों तक संघर्ष करके अपनी आस्था का फल प्राप्त किया है। लोगों ने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया और कहते रहे कि रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट को मिला धमकी भरा ईमेल, पूरा परिसर कराया गया खाली

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट को शुक्रवार को धमकी भरा एक ईमेल मिला। ईमेल में दोपहर बाद विस्फोट होने की चेतावनी दी गई है। धमकी के बाद हाईकोर्ट का पूरा परिसर खाली करा दिया गया, जजों और वकीलों को बाहर निकाला गया। फिलहाल मौके पर दिल्ली पुलिस की टीम मौजूद है और तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस को स्पष्ट रूप से संबोधित करते हुए लिखे गए ईमेल में कहा गया है, उदाहरण के तौर पर शुक्रवार को आपके दिल्ली हाईकोर्ट में धमाका पिछले झांसों का संदिह दूर कर देगा। दोपहर के तुरंत बाद जज चौंबर में धमाका होगा। ईमेल में दावा किया गया कि तीन बम प्लांट किए गए हैं। यह धमकी जुमे की नमाज के संदर्भ में दी गई है। धमकी भरे ईमेल में लिखा है, शुक्रवार विस्फोटों के लिए पाकिस्तान-तमिलनाडु की मिलीभगत। जज रूम या कोर्ट परिसर में 3 बम रखे गए हैं। दोपहर 2 बजे तक खाली कर दें। इस ईमेल में राजनीतिक साजिश का भी जिक्र है, जिसमें पाकिस्तान की आईएसआई, कुछ व्यक्तियों और राजनीतिक परिवारों को निशाना बनाने की योजना बताई गई है। इसके साथ ही, ईमेल में एक व्यक्ति के नाम का जिक्र करते हुए उसका मोबाइल नंबर दिया गया है। मैसेज में लिखा है, आईईडी डिवाइस की लोकेशन और डिफ्यूजिंग कोड के लिए सत्यभामा सेंगोट्टायन से संपर्क करें। बम की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मामले को दिल्ली पुलिस ने गंभीरता से लिया है, लेकिन अभी तक कोई विस्फोटक मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा को देखते हुए हाईकोर्ट परिसर को खाली कराया गया है। इससे पहले, 9 सितंबर को, दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) को बम की धमकी वाला ईमेल मिला था।

संक्षिप्त खबरे

दिल्ली उच्च न्यायालय में बम की धमकी झूठी निकली

नई दिल्ली। सुरक्षाकर्मियों द्वारा किए गए सुरक्षा उपायों के तहत सभी को इमारत खाली करने के लिए कहा गया। बाद में, पुलिस उपायुक्त (नयी दिल्ली) देवेश कुमार महला ने मीडियाकर्मियों को बताया कि बम की धमकी झूठी निकली। दिल्ली उच्च न्यायालय में शुक्रवार को बम की धमकी वाला ई-मेल प्राप्त होने के बाद न्यायाधीशों और पक्षकारों को अदालत कक्षों से बाहर निकालना पड़ा, लेकिन तलाशी के बाद पुलिस ने इसे अफवाह घोषित कर दिया। अदालत प्रशासन को मिले ई-मेल में उच्च न्यायालय में हमला करने की धमकी दी गई। इसके बाद पुलिस और अन्य एजेंसियों को तलाशी अभियान शुरू करना पड़ा। रजिस्ट्रार जनरल को सुबह करीब 8.39 बजे प्राप्त ई-मेल में न्यायाधीशों के कक्षों और अदालत कक्षों में दोपहर के समय विस्फोट की धमकी दी गई थी। जब न्यायाधीश न्यायिक कार्यवाही में व्यस्त थे, तो अदालत के कर्मचारी आए और उन्हें बम की धमकी वाले ई-मेल के बारे में बताया, जिसके बाद वे अदालत कक्ष से बाहर निकल गए। कुछ न्यायाधीशों ने पूर्वाह्न 11.35 बजे बाहर जाना शुरू कर दिया, जबकि अन्य न्यायाधीश दोपहर 12 बजे तक अपनी-अपनी अदालतों में काम करते रहे।

मध्यप्रदेश: बालाघाट में मां-बेटा नदी में बहे, तलाश जारी

मध्यप्रदेश। लांजी के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) ने बताया कि बहेला थानाक्षेत्र के अमेदा गांव निवासी कमलाबाई मरकाम बेटे गज्जू के साथ महाराष्ट्र के चिंगलूटोला गांव में अपनी बेटी के ससुराल से लौट रही थी। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में नदी पार करते समय 50 वर्षीय एक महिला और उसका बेटा पानी में बह गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को लांजी तहसील में छोटी बाग नदी में लापता हुए मां बेटे की तलाश जारी है। लांजी के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) ने बताया कि बहेला थानाक्षेत्र के अमेदा गांव निवासी कमलाबाई मरकाम बेटे गज्जू के साथ महाराष्ट्र के चिंगलूटोला गांव में अपनी बेटी के ससुराल से लौट रही थी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के अमेदा गांव और महाराष्ट्र के चिंगलूटोला गांव के बीच नदी के रास्ते मुश्किल से डेढ़ किलोमीटर की दूरी हैं।

इस्तीफे के 53 दिन बाद नजर आए जगदीप धनखड़ पूर्व उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपने पद से इस्तीफा देने के बाद शुक्रवार को पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखाई दिए। धनखड़ राष्ट्रपति भवन में सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने आए थे। वह इस कार्यक्रम में सपत्नीक पधारे और उनको अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ अग्रिम पंक्ति में बैठाया गया। उनके साथ उपराष्ट्रपति पद को सुशोभित कर चुके वैंकेया नायडू, हामिद अंसारी भी बैठे नजर आए। धनखड़ के समारोह में पहुंचने पर गृहमंत्री अमित शाह से उनकी भेंट हुई और शाह ने उनका अभिवादन किया। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने भी धनखड़ से भेंट करके उनकी कुशल क्षेम पूछी। जब राधाकृष्णन, शपथ ग्रहण के लिए पहुंचे तो धनखड़ ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। दोनों नेताओं में कुछ क्षण के लिए आपस में बातचीत की। गौरतलब है कि धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों के आधार पर अपने पद से 22 जुलाई को त्यागपत्र दे दिया था। उसके बाद से करीब डेढ़ महीने से अधिक की अवधि में वह किसी भी कार्यक्रम में नहीं दिखे। इसे लेकर विपक्षी सांसदों ने प्रश्न भी उठाए थे।

बीजापुरः सुरक्षाबलों और माओवादी के बीच मुठभेड़, दो माओवादियों के शव बरामद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में माओवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों ने सघन सर्च ऑपरेशन चलाया है। जिसमें रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में अब तक दो माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। साथ ही मौके से थ्री नॉट थ्री बंदूक सहित अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री एवं दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं भी जब्त की गई हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार माओवादी गतिविधियों की जानकारी मिलने पर सुरक्षा बलों ने कार्रवाई शुरू की थी। ऑपरेशन की शुरूआत आज सुबह हुई और अब तक मुठभेड़ स्थल पर तैनात जवानों ने व्यापक कार्रवाई जारी है। पुलिस के मुताबिक सुरक्षा बलों ने फिलहाल मुठभेड़ स्थल का स्थान, ऑपरेशन में शामिल जवानों की संख्या और अन्य संवेदनशील जानकारियों को सार्वजनिक नहीं किया है ताकि अभियान में लगे जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। प्रशासन ने यह भी बताया कि ऑपरेशन के समाप्त होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी।

पीएम मोदी जाएंगे मणिपुर, 8500 करोड़ की देंगे सौगात

दौरे से पहले उपद्रवियों-सुरक्षाबलों में झड़प

इंफाल : मणिपुर में हिंसा के बाद पहली बार पीएम मोदी राज्य के दौरे पर जा रहे हैं। शनिवार को प्रधानमंत्री सबसे पहले मिजोरम से चुराचांदपुर पहुंचेंगे और फिर इंफाल जाएंगे। वे चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। जबकि 1200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर दौरे पर जाएंगे। वे यहां 8500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री सबसे पहले मिजोरम से चुराचांदपुर पहुंचेंगे और फिर इंफाल जाएंगे। वहीं पीएम मोदी के दौरे से पहले गुरुवार शाम को कुकी बहुल चुराचंदपुर जिले में दो स्थानों पर उपद्रवियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई। 7300 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और 1200 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण मणिपुर के मुख्य सचिव ने कहा कि मणिपुर के समावेशी, सतत और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। जबकि 1200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की 13 सितंबर की मणिपुर यात्रा राज्य में शांति, सामान्य स्थिति और विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। पीएम मोदी चुराचांदपुर और इम्फाल में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे। मणिपुर में कड़े किए गए सुरक्षा इंतजाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शनिवार को संभावित मणिपुर दौरे से पहले इंफाल और चुराचांदपुर में सुरक्षा इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री के मणिपुर दौरे को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन उनके मिजोरम यात्रा के बाद मणिपुर पहुंचने की संभावना है। 237 एकड़ में फैले कांगला किले के आस पास जवान तैनात राज्य में प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर तैयारियां काफी तेजी से चल रही हैं। इंफाल में करीब 237 एकड़ में फैले कांगला किले और चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड के आसपास बड़ी संख्या में राज्य और केंद्रीय बलों के जवान तैनात किए गए हैं। वहां पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए एक भव्य मंच का निर्माण भी किया जा रहा है। इसी क्रम में राज्य में कई बैठकें भी आयोजित की जा चुकी हैं। मई 2023 में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद मोदी की यह पहली मणिपुर यात्रा होगी। राज्य में महीनों जारी रही हिंसा में 250 से ज्यादा लोग मारे गए और हजारों बेघर हो गए। कांगला किले का चौबीसों घंटे किया जा रहा निरीक्षण राज्य कर्मचारियों के साथ केंद्रीय सुरक्षा दल कांगला किले का चौबीसों घंटे निरीक्षण कर रहे हैं।

प्रियंका ने वायनाड में विकास परियोजनाओं की समीक्षा की, नए उपराष्ट्रपति को बधाई दी

वायनाड। पूझीथोडे-पडिंजरथरा सड़क निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करने के बाद उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और अधिकारी मंजूरी के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से संपर्क करने की तैयारी कर रहे हैं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को सी.पी. राधाकृष्णन के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने पर उन्हें बधाई दी। राधाकृष्णन के शपथ ग्रहण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैं उन्हें शुभकामनाएं देती हूं। प्रियंका गांधी बृहस्पतिवार रात अपने लोकसभा क्षेत्र वायनाड पहुंची जहां शुक्रवार को उन्होंने एक लंबित सड़क परियोजना का भी निरीक्षण किया ताकि मंजूरी संबंधी मुद्दों सहित देरी के कारणों को समझा जा सके। पूझीथोडे-पडिंजरथरा सड़क निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करने के बाद उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और अधिकारी मंजूरी के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से संपर्क करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं खुद देखना चाहती थी कि सड़क अभी कहां है, प्रगति क्या है, और क्या मुद्दे और आपत्तियां हैं। मैं अच्छी तरह अवगत हो गई हूं। प्रियंका गांधी ने प्रस्तावित मेप्पाडी सुरंग सड़क के बारे में कहा कि यह इसकी तत्काल आवश्यकता है क्योंकि लोग वास्तव में परेशान हैं। उनका कहना था, लोगों की जरूरतों को पूरा करते हुए, पारिस्थितिकी और पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर भी विचार करना होगा। एक संतुलन बनाना होगा। लोगों के लिए चिकित्सा और अन्य सुविधाओं तक पहुंचना बेहद जरूरी है, जिन तक वे आज भी नहीं पहुंच पा रहे हैं।

एसआईटी रिपोर्ट में विस्फोटक खुलासे, देश के खिलाफ काम कर रहे गिरोह की ओर इशारा : हिमंत शर्मा

असम। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर बॉडी डबल (हूबहू दिखने वाले व्यक्ति) का इस्तेमाल किए जाने के बारे में शर्मा ने कहा कि उन्होंने यात्रा के दौरान एक संवाददाता सम्मेलन में सारी जानकारियां दे दी थीं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई और उनके परिवार के कथित पाकिस्तानी संबंधों की जांच करने वाले विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट में विस्फोटक खुलासे हैं और यह देश की विकास प्रक्रिया को बदनाम करने और नीचा दिखाने के लिए काम कर रहे एक गिरोह की ओर इशारा करती है। मुख्यमंत्री ने यहां बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी करने के कार्यक्रम से इतर कहा, मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि यह एक बेहद विस्फोटक रिपोर्ट है। यह एक तरह का गिरोह है जो हमारे देश की विकास प्रक्रिया को बदनाम और उसे नीचा दिखाने के लिए काम कर रहा था। उन्होंने कहा, उस गिरोह में एक पाकिस्तानी नागरिक और कांग्रेस सांसद की ब्रिटिश पत्नी शामिल हैं। रिपोर्ट में यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एसआईटी टीम ने हमारे देश की संप्रभुता के लिए खतरा पैदा करने वाले कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। उन्होंने कहा कि एक बार कैबिनेट इस पर चर्चा कर ले, तो हम आम जनता के लिए रिपोर्ट जारी करेंगे और आगे उठाए जाने वाले कदमों पर भी फैसला करेंगे। शर्मा ने कहा, पहले रिपोर्ट पर चर्चा करना और फिर आगे की कार्रवाई पर फैसला लेना कैबिनेट का विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि प्रधानमंत्री का राज्य का दो दिवसीय दौरा और 22 सितंबर को बीटीसी चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हो। मुख्यमंत्री ने कहा, हम रिपोर्ट को लेकर कोई नाटक नहीं करना चाहते, क्योंकि सरकार टीआरपी के लिए काम नहीं करती। हम इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और जरूरी प्रक्रिया का पालन करेंगे। विशेष पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व वाली एसआईटी ने बुधवार शाम मुख्यमंत्री को औपचारिक रूप से रिपोर्ट सौंप दी थी।

पीएम मोदी की मणिपुर यात्रा पर राहुल गांधी बोले

लंबे समये से हो रही हिंसा, अच्छी बात है अब जा रहे

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी की मणिपुर यात्रा को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। जूनागढ़ में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मणिपुर में लंबे समय से हिंसा चल रही है, लेकिन अच्छी बात है कि पीएम अब जा जा रहे हैं। हालांकि उन्होंने इस दौरान दोहराया कि देश की सबसे बड़ी समस्या वोट चोरी है।

पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर के दौरे पर जा रहे हैं। राज्य के मुख्य सचिव ने इस बात की पुष्टि कर दी है। ऐसे में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मणिपुर यात्रा पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पीएम मोदी के मणिपुर दौरे का स्वागत करते हुए कहा कि मणिपुर की समस्या काफी समय से चल रही है। अच्छी बात है कि वे अब वहां जा रहे हैं। गुजरात के जूनागढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मणिपुर में लंबे समय से हिंसा चल रही है। इसमें कोई बड़ी बात नहीं कि पीएम मोदी अब वहां जा रहे है। राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' के आरोपों को दोहराते हुए कहा कि अभी देश में सबसे बड़ी समस्या वोट चोरी की है। राहुल गांधी ने दोहराया वोट चोरी का आरोप पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता ने एक बार फिर अपने 'वोट चोरी' वाले आरोप को दोहराया। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी समस्या वोट चोरी की है। उन्होंने कहा कि हरियाणा और महाराष्ट्र में लोगों का जनादेश चुरा लिया गया। हर जगह लोग कह रहे हैं 'वोट चोर'। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी 13 सितंबर को मणिपुर और मिजोरम के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वे मिजोरम में बैराबी-सैरांग रेलवे प्रोजेक्ट का उद्घाटन भी करेंगे। इससे पहले बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है।कांग्रेस महासचिवजयराम रमेश ने पीएम मोदी की मणिपुर यात्रा को लेकर नाराजगी जताई थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री मणिपुर में सिर्फ तीन घंटे बिताएंगे। इतने लंबे समय से लोग उनका इंतजार कर रहे थे और अब सिर्फ तीन घंटे की यात्रा कर रहे हैं।

लोगों को डर है कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनका क्या होगा, इसीलिए लगाया जा रहा टैरिफ : भागवत

नई दिल्ली। महिलाओं द्वारा संचालित आध्यात्मिक आंदोलन ब्रह्माकुमारीज की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि आरएसएस भी आंतरिक चेतना को जागृत करने के लिए उन्हीं की तरह काम करता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत पर टैरिफ इस डर से लगाया गया है कि अगर यह देश मजबूत हो गया तो उनके साथ क्या हो सकता है। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, ऐसे कदम आत्मकेंद्रित दृष्टिकोण का परिणाम हैं। वह नागपुर में ब्रह्माकुमारीज विश्व शांति सरोवर के सातवें स्थापना दिवस पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, दुनिया के लोग इस बात से भयभीत हैं कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनके साथ क्या होगा और उनकी स्थिति क्या होगी। इसीलिए

भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ लगाए गए हैं। लेकिन हमने कुछ नहीं किया। जब आप सात समुद्र दूर हैं और कोई संपर्क नहीं है, तो डर क्यों? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जिसमें रूस से तेल खरीद पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क भी शामिल है। भारत ने इसे अनुचित और अविवेकपूर्ण करार दिया है। भागवत ने कहा, जब तक मनुष्य और राष्ट्र अपने वास्तविक स्वरूप को नहीं समझेंगे, तब तक वे समस्याओं का सामना करते रहेंगे। अगर हम करुणा दिखाएं और भय पर विजय पाएं, तो हमारा कोई शत्रु नहीं रहेगा। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि अगर मनुष्य अपना रवैया मैं से हम में बदल लें तो सभी मुद्दे सुलझ जाएंगे। उन्होंने कहा, आज दुनिया समाधान खोज रही है, क्योंकि अपनी अधूरी दृष्टि के कारण वह आगे बढ़ने का रास्ता नहीं खोज पा रही है। सिर्फ.मैं के दृष्टिकोण के कारण उनके लिए रास्ता खोजना असंभव है।

प्रधानमंत्री मणिपुर और असम में कई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और आधारशिला रखेंगे

गोरखपुर । दशकों से, पूर्वोत्तर भारत को एक सुदूर सीमांत क्षेत्र के रूप में देखा जाता था, जो संस्कृति में समृद्ध था, लेकिन इसकी पूरी क्षमता का प्रयोग करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे की कमी थी। क्षेत्र के लोगों, जिनमें मिजोरम के जीवंत समुदाय भी सम्मिलित हैं, समृद्ध परंपराओं और सामाजिक सद्भाव के लिए जाने जाते हैं, ने लंबे समय तक प्रतीक्षा करते हुए विकास की राह देखी। केंद्र सरकार के एक्ट ईस्ट दृष्टिकोण के साथ, पूर्वोत्तर क्षेत्र हाशिये से मुख्यधारा में आ गया है। जिसे कभी एक सुदूर कोने के रूप में देखा जाता था, वह अब भारत की विकास गाथा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। । रेलवे, राजमार्गों, हवाई संपर्क और डिजिटल बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व निवेश ने मिजोरम की बांस से ढकी पहाड़ियों से लेकर सिक्किम की चोटियों और असम के चाय बागानों तक आठ राज्यों में विकास को नई गति दी है। आज, यह क्षेत्र न केवल बदला हुआ है, बल्कि बेहतर संपर्क, मजबूत अर्थव्यवस्थाओं और उद्देश्य की एक नई भावना के साथ सशक्त भी है। पूर्वोत्तर भारत की कहानी अब शांति, प्रगति और समृद्धि की है, जो विकसित भारत का सच्चा प्रतीक है। पूर्वोत्तर को सशक्त बनानाः सशक्त बनाने, कार्य करने, मजबूत करने और परिवर्तन का दृष्टिकोण केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में समावेशी विकास में तेजी लाने के लिए एक्ट ईस्ट दृष्टिकोण के अंतर्गत परिवर्तनकारी पहलों की एक श्रृंखला लागू की है। यह रणनीतिक ढांचा पूर्वोत्तर को दक्षिण पूर्व एशिया के साथ भारत के जुड़ाव के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित करता है, साथ ही संतुलित विकास भी सुनिश्चित करता है। प्रधानमंत्री के शब्दों में ₹हमारे लिए पूर्व का अर्थ है सशक्त बनाना, कार्य करना, मजबूत करना और परिवर्तित करना₹, एक मार्गदर्शक दर्शन जो क्षेत्र में हर नीतिगत पहल को रेखांकित करता है। बुनियादी ढांचे और डिजिटल संपर्कता से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका तक, ये प्रयास आठ राज्यों में अवसर सृजित करने, पहुंच में सुधार और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने पर केंद्रित हैं। पूर्वोत्तर भारत विकास के पथ परः रेलवे और विकास रेल मंत्रालय बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने और संपर्कता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से रिकॉर्ड निवेश के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र में बड़े स्तर पर विकास कार्यों को नेतृत्व कर रहा है। वर्ष 2014 के बाद से, क्षेत्र के लिए रेल बजट आवंटन में पांच गुना वृद्धि हुई है। जो वर्तमान वित्त वर्ष के लिए 10,440 करोड़ रुपये सहित संचयी 62,477 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वर्तमान में 77,000 करोड़ रुपए की रेलवे परियोजनाएं चल रही हैं, जो इस क्षेत्र में अब तक के निवेश का उच्चतम स्तर है। इन कार्यों का एक महत्वपूर्ण आकर्षण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मिजोरम में बैराबी-सैरंग रेलवे लाइन का उद्घाटन होगा।8,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित, 51 किलोमीटर की यह लाइन आजादी के बाद पहली बार आइजोल को राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जोड़ेगी। चुनौतीपूर्ण इलाके में 143 पुलों और 45 सुरंगों का निर्माण किया गया है , यह निर्माण एक इंजीनियरिंग चमत्कार है, जिसमें से एक पुल कुतुब मीनार से भी ऊंचा है। यात्री सुविधा के अलावा, यह लाइन माल ढुलाई में भी सुधार करेगी, बांस और बागवानी जैसी स्थानीय उपज के लिए नए बाजार खोलेगी और पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा देगी। प्रधानमंत्री सैरंग से दिल्ली (राजधानी एक्सप्रेस), कोलकाता (मिजोरम एक्सप्रेस) और गुवाहाटी (आइजोल इंटरसिटी) से तीन नई ट्रेन सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाएंगे।यह मिजोरम को भारत की विकास गाथा के मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करता है।प्रधानमंत्री आइजोल बाईपास, थेनजोल-सियालसुक और खानकाउन-रोंगुरा सड़कों सहित कई सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। पीएम-देवाइन योजना के तहत 500 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनने वाला 45 किलोमीटर लंबा आइजोल बाईपास शहर के यातायात को सुगम बनाएगा और संपर्कता में सुधार करेगा। प्रधानमंत्री लॉन्गतलाई-सियाहा रोड पर छिमटुईपुई नदी पुल की भी आधारशिला रखेंगे, जो सभी मौसमों में संपर्कता सुनिश्चित करेगा, यात्रा में लगने वाले समय को कम करेगा और कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट ढांचे के तहत सीमा पार व्यापार को सुगम बनाएगा। प्रधानमंत्री मणिपुर के चूड़ाचंदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इन परियोजनाओं में 5 राष्ट्रीय राजमार्ग, मणिपुर में शहरी सड़कें और जल निकासी एवं परिसंपत्ति प्रबंधन सुधार परियोजनाएँ सम्मिलित हैं।इसके साथ ही, प्रधानमंत्री असम में 18,530 करोड़ रुपये से अधिक की विशाल बुनियादी ढाँचा और औद्योगिक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। विशेष परियोजनाओं के साथ-साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र ने कई स्वीकृत पहलों के माध्यम से एक व्यवस्थित बुनियादी ढांचे का विस्तार देखा है। वित्त वर्ष 2022-23 से, भविष्य की योजनाओं की पहचान करने के लिए पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत 1,790 किलोमीटर को कवर करने वाले 17 नए रेलवे सर्वेक्षणों को मंजूरी दी गई है। चल रही प्रमुख परियोजनाओं में जिरीबाम-इंफाल और दीमापुर-कोहिमा लाइनें शामिल हैं, जिनका उद्देश्य रणनीतिक और अंतर-राज्यीय संपर्कता को मजबूत करना है।

कई दशकों तक उत्तर पूर्व को एक दूरस्थ इलाका माना जाता था -अश्विनी वैष्णव

गोरखपुर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में यह तस्वीर बदली है। जो इलाका कभी दूर का फ्रंटियर कहा जाता था, वह आज भारत की तरक़्क़ी का फ्रंटइनरनर बनकर उभरा है। शांति, समृद्धि और प्रगति यह बदलाव रेलवे, सड़कें, हवाई अड्डे और डिजिटल कनेक्टिविटी में रिकॉर्ड निवेश की वजह से संभव हुआ है। शांति समझौते स्थिरता ला रहे हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ अब सीधे लोगों तक पहुँच रहा है।

आजादी के बाद पहली बार उत्तर-पूर्वी क्षेत्र को भारत की विकास यात्रा का केंद्र माना जा रहा है। रेलवे में किए गए निवेश को ही देख लीजिए। 2009 से 2014 की तुलना में क्षेत्र के लिए रेलवे बजट पाँच गुना बढ़ा है। सिर्फ इस वित्तीय वर्ष में ही 10,440 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। 2014 से 2025 तक कुल बजट आवंटन 62,477 करोड़ रुपये रहा है। आज यहाँ 77,000 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं चल रही हैं। इससे पहले उत्तर-पूर्व ने इतना बड़ा निवेश कभी नहीं देखा था। मिजोरम की पहली रेल लाइन मिजोरम भी इसी बदलाव का हिस्सा है। यह राज्य अपनी समृद्ध संस्कृति, खेल प्रेम और खूबसूरत पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। फिर भी, दशकों तक यह संपर्क की मुख्यधारा से दूर रहा। सड़क और हवाई संपर्क सीमित था। रेलवे राजधानी तक नहीं पहुंच पाई थी। लोगों के सपने थे, लेकिन विकास की राहें अधूरी थीं। अब ऐसा नहीं है। अब हालात बदल चुके हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हाथों कल बैराबीझसैरांग रेलवे लाइन का उद्घाटन मिजोरम के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। 51 किलोमीटर लंबी यह परियोजना 8,000 करोड़ से अधिक की लागत से बनी है और पहली बार आइजोल को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री सैरांग से दिल्ली (राजधानी एक्सप्रेस), कोलकाता (मिजोरम एक्सप्रेस) और गुवाहाटी (आइजोल इंटरसिटी) के लिए तीन नई ट्रेन सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाएंगे। यह रेलवे लाइन कठिन पहाड़ी इलाकों से होकर गुजरती है। रेल इंजीनियरों ने मिजोरम को जोड़ने के लिए 143 पुल और 45 सुरंगें बनाई हैं। इनमें से एक पुल कुतुब मीनार से भी ऊंचा है। दरअसल, इस इलाके में, जैसे अन्य हिमालयी रेल परियोजनाओं में होता है, रेलवे लाइन लगभग पूरी तरह पुल और सुरंगों के क्रम से बनी है – एक पुल, फिर एक सुरंग, फिर दोबारा पुल, और इसी तरह आगे। हिमालय सुरंग निर्माण विधि उत्तर पूर्व हिमालय युवा और नाजुक पहाड़ हैं। यहाँ जमीन कठोर चट्टानों की जगह मुलायम मिट्टी और जैविक सामग्री से बनी है। ऐसी स्थिति में सुरंग और पुल बनाना बेहद चुनौतीपूर्ण था। पारंपरिक तरीके यहां काम नहीं कर सकते थे, क्योंकि ढीली मिट्टी निर्माण का भार सहन नहीं कर पाती।

प्रधानमंत्री 13 से 15 सितंबर तक मिजोरम, मणिपुर, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार का दौरा करेंगे

गोरखपुर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 13 से 15 सितम्बर तक मिजोरम, मणिपुर, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार का दौरा करेंगे। 13 सितंबर को प्रधानमंत्री मिजोरम का दौरा करेंगे और सुबह लगभग 10 बजे आइजोल में 9000 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री मणिपुर का दौरा करेंगे और दोपहर लगभग 12:30 बजे चूड़ाचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर वे उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। इसके अलावा, वे दोपहर लगभग 2:30 बजे इम्फाल में 1,200 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री असम का दौरा करेंगे और शाम लगभग 5 बजे गुवाहाटी में भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती समारोह में भाग लेंगे।इस अवसर पर वे उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। 14 सितंबर को

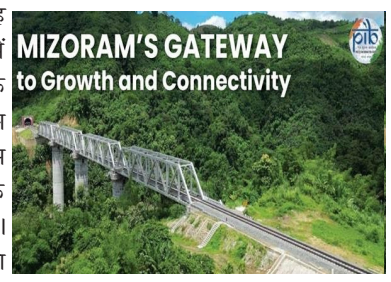

प्रधानमंत्री असम में 18,530 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली प्रमुख अवसंरचना और औद्योगिक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। वह सुबह लगभग 11 बजे दरंग में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे और एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह दोपहर लगभग 1:45 बजे गोलाघाट में असम बायो-एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड, नुमालीगढ़ रिफाइनरी प्लांट का उद्घाटन करेंगे। वह गोलाघाट में पॉलीप्रोपाइलीन प्लांट का शिलान्यास भी करेंगे। 15 सितंबर को प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे और सुबह लगभग 9:30 बजे कोलकाता में 16वें संयुक्त कमांडर सम्मेलन-2025 का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री बिहार का दौरा करेंगे और दोपहर लगभग 2:45 बजे पूर्णिया हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, वे पूर्णिया में लगभग 36,000 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे और इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। वे बिहार में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का भी शुभारंभ करेंगे। मिजोरम में प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री आइजोल में 9000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। ये परियोजनाएं रेलवे, सड़क मार्ग, ऊर्जा, खेल सहित कई क्षेत्रों को लाभान्वित करेंगी। विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री 8,070 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली बैराबी-सैरांग नई रेल लाइन का उद्घाटन करेंगे, जो मिजोरम की राजधानी को पहली बार भारतीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। एक चुनौतीपूर्ण पहाड़ी क्षेत्र में निर्मित इस रेल लाइन परियोजना में जटिल भौगोलिक स्थितियों के तहत 45 सुरंगें बनाई गई हैं।

गोरखपुर स्टेशन स्थित यात्री हॉल में मशीन से सफाई करते हुये स्वच्छताकर्मी

गोरखपुर,: सम्पूर्ण भारतीय रेल पर मनाये जा रहे स्वच्छता अभियान के द्वितीय चरण के अन्तर्गत 12 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के तीनों मण्डलों के सभी प्रमुख स्टेशनों, गाड़ियों, स्टेशन परिसरों, कालोनियों एवं कार्यालयों में स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मण्डलों पर कोचिंग डिपो, कारखानों तथा यांत्रिक कारखाना गोरखपुर में स्क्रैप मटेरियल से रचनात्मक माडल बनाये जा रहे हैं। इसी क्रम में यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा स्क्रैप मटेरियल से लड़ाकू विमान तथा सिपाही जैसे रचनात्मक माडल बनाये गये। 12 सितम्बर, 2025 को

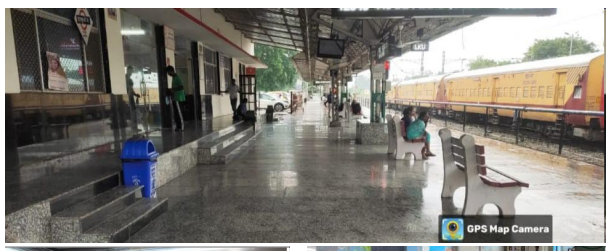

लखनऊ मण्डल पर मंडल रेल प्रबन्धक/लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में एवं वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर/ईएनएचम श्री महेन्द्र सिंह के नेतृत्व में सभी प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत लखनऊ स्टेशन पर स्वच्छता एवं रेलवे कर्मचारियों द्वारा सार्वजनिक जागरूकता रैली निकाली गई। अभियान के दौरान सभी कोचिंग डिपो में बायो-ट्वायलेट चैम्बर की सफाई की गई, स्टेशनों पर लगाये गये डस्टबिन को धुलाई की गई, पटरियों के किनारे झाड़ियों को साफ किया गया, पेण्ट्रीकारों में स्मार्ट डिब्बों का प्रावधान कराया गया तथा सभी स्टेशनों, स्टेशन परिसरों तथा टेज्नों में स्वच्छता कार्य किया गया और यात्रियों को स्वच्छता बनाये रखने के लिये जागरूक किया गया। वाराणसी मण्डल पर मण्डल रेल प्रबन्धक/वाराणसी श्री आशीष जैन के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर/ईएनएचएम श्री अभिषेक राय के नेतृत्व में सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया।

जनरेटर सह लगेज यान के 01 कोचों सहित कुल 18 आधुनिक एल.एच.बी. कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दषहरा, दीपावली एवं छठ त्यौहार के अवसर पर यात्रियों की मांग पर 01431/01432 पुणे-गाजीपुर सिटी-पुणे द्वि-साप्ताहिक त्यौहार विशेष गाड़ी का संचलन पुणे से 26 सितम्बर से 28 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार को तथा गाजीपुर सिटी से 28 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार एवं वृहस्पतिवार को 19 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 01431 पुणे-गाजीपुर सिटी द्वि-साप्ताहिक त्यौहार विशेष गाड़ी 26 सितम्बर से 28 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार को पुणे से 06.40 बजे प्रस्थान कर दौंड कॉर्ड लाइन से 08.12 बजे, अहमदनगर से 09.32 बजे, मनमाड जं. से 13.15 बजे, जलगांव जं. से 15.25 बजे, भुसावल से 16.00 बजे, खंडवा से 18.30 बजे, इटारसी से 20.45 बजे, भोपाल से 22.20 बजे, दूसरे दिन बीना से 00.25 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 (झांसी) से 03.20 बजे, उरई से 04.52 बजे, गोविन्दपुरी से 07.25 बजे, फतेहपुर से 08.32 बजे, सूबेदारगंज से 10.05 बजे, वाराणसी जं. से 14.50 बजे, जौनपुर से 17.15 बजे तथा औंड़िहार से 18.15 बजे छूटकर गाजीपुर सिटी 19.40 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 01432 गाजीपुर सिटी-पुणे द्वि-साप्ताहिक त्यौहार विशेष गाड़ी 28 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार एवं वृहस्पतिवार को गाजीपुर सिटी से 22.40 बजे प्रस्थान कर औंड़िहार से 23.40 बजे, दूसरे दिन जौनपुर से 02.05 बजे, वाराणसी जं. से 04.30 बजे, सूबेदारगंज से 08.15 बजे, फतेहपुर से 09.32 बजे, गोविन्दपुरी से 12.25 बजे, उरई से 14.17 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 (झांसी) से 16.45 बजे, बीना से 20.30 बजे, भोपाल से 22.55 बजे, तीसरे दिन इटारसी से 01.00 बजे, खंडवा से 03.48 बजे, भुसावल से 06.25 बजे, जलगांव जं. से 06.52 बजे, मनमाड जं. से 09.05 बजे, अहमदनगर से 12.00 बजे तथा दौंड कॉर्ड लाइन से 15.12 बजे छूटकर पुणे 16.20 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में सामान्य द्वितीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 08, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, एल.एस.एल.आर.डी. का 01 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 01 कोचों सहित कुल 18 आधुनिक एल.एच.बी. कोच लगाये जायेंगे।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के आदेशों की अनदेखी, 17 घंटे देरी से हुआ महिला का पोस्टमार्टम

कानपुर। कानपुर में दहेज प्रताड़ना से आत्महत्या करने वाली एक महिला का पोस्टमार्टम डॉक्टरों की लापरवाही के कारण नहीं हुआ। इसके बाद परिजनों की शिकायत पर सीएमओ के हस्तक्षेप से दूसरी डॉक्टर ने 17 घंटे देरी पोस्टमार्टम किया। कानपुर में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के चार घंटे में पोस्टमार्टम करने के

निदेर्शों के बावजूद, डॉक्टरों का रवैया नहीं सुधार रहा है। डॉक्टरों की घोर लापरवाही के चलते आत्महत्या की हुई महिला का पोस्टमार्टम 17 घंटे के बाद हो सका है। शुक्रवार को दहेज प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या करने वाली वाली कानपुर देहात भोगनीपुर निवासी मो. शहंशाह की बेटी नाजरीन का मामला है। महिला का पोस्टमार्टम 17 घंटों तक महिला डॉक्टर के न आने के कारण अधर में लटका रहा। व्यवस्था से हारे परिजनों ने सीएमओ डॉक्टर हरिदत नेमी को फोन कर आपबीती बयां कि, जिसके बाद सीएमओ ने दूसरी महिला डॉक्टर को आननझफानन में भेजा गया। अर्जुन ने बताया कि बुधवार की रात 10 बजे महिला की मौत हो गई थी उसके बाद शुक्रवार दोपहर 12 बजे के बाद उनका पोस्टमार्टम शुरू हो सका। डॉक्टर के न आने से पोस्टमार्टम नहीं हो सका परिजनों ने बताया कि 11 सितंबर की सुबह छह बजे शव मोर्चरी भिजवाया गया था। शाम पांच बजे पुलिस ने पंचायतनामा पोस्टमार्टम भिजवाया। पोस्टमार्टम हाउस में प्रभारी डॉक्टर नवनीत चौधरी ने बताया कि बिल्हौर सीएचसी में तैनात निदाराज गनी की पोस्टमार्टम हाउस में ड्यूटी थी, लेकिन वह गैरहाजिर हो गई। दोपहर 12 बजे तक डॉक्टर के न आने से पोस्टमार्टम नहीं हो सका। सीएमओ के निर्देश पर डॉक्टर पहुंची थीं पोस्टमार्टम उन्होंने कई बार डॉक्टर को फोन किया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। 17 घंटों तक पोस्टमार्टम न होने से पेरशान परिजनों ने सीएमओ हरिदत्त नेमी को फोन कर घटना की जानकारी दी।

संक्षिप्त खबरें

साधना से ही घर में आने चाहिए साधन

छावनी। क्षेत्र के रामरेखा मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में कथा व्यास पं. धर्मेंद्र धर द्विवेदी ने महाराज परीक्षित की कथा सुनाई। कहा कि साधना से ही घर में साधन आने चाहिए। जीभ नित्य नए स्वाद को ही ढूंढ़ती है, लेकिन जो जीभ को अच्छा लगता है कि वह शरीर के लिए अच्छा नहीं होता। शरीर के लिए जो अच्छा है, वह जीभ को अच्छा नहीं लगता। इसलिए इंद्रियों पर विजय प्राप्त करना होगा। कथा वाचक ने कहा कि हे राजन आहार, भय, निद्रा और मैथुन मनुष्य और पशुओं में समानांतर पाए जाते हैं। पशु भी भोजन करता है, सोता है, डरता है, बच्चा पैदा करता है और मनुष्य भी यही करता है। मनुष्य तन पाकर अगर हम आहार, भय, निद्रा और मैथुन में ही लगे रहे तो हममें और पशुओं में क्या अंतर रहेगा। साधना से ही घर में साधन आने चाहिए। जो साधन साधना से आता है वह सुख और शांति देता है। कथा के अमृतपान से भूख और प्यास दूर हो जाती है। इस कथा सुन कर श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए।

गन्ना सर्वे मेले में आई छह शिकायतें

टिनिच। साधन सहकारी गन्ना विकास समिति टिनिच में गन्ना सर्वेक्षण सट्टा आपत्ति निस्तारण मेले का बृहस्पतिवार को शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन सचिव लाल बहादुर ने किया। उन्होंने कहा कि मेले का उद्देश्य किसानों के गन्ने का पूरा रकबा सर्वे होने, कोटे में त्रुटि, सर्वे में छूट आदि का समाधान किया जा सके। 20 सितंबर तक चलने वाले मेले के पहले दिन छह मामले आए। इसमें सर्वे से संबंधित मामले ज्यादा थे। गन्ना पर्यवेक्षक को बताया गया कि मौके पर जाकर छूटे हुए प्लाट की जानकारी लेकर उसे दर्ज करें। गन्ना पर्यवेक्षक संदीप गुप्ता, जसवंत सिंह, रुधौली मिल से चंद्र पाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खेल प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

बस्ती। वित्तीय वर्ष 2025-26 में युवा कल्याण विभाग एवं खेल विभाग की ओर से विभिन्न आयु वर्ग में विकास खंड एवं जनपद स्तरीय खेल प्रतियोगिता (कबड्डी, कुश्ती, बॉलीबाल, फुटबॉल, भारोत्तालन, जूडो, बैडमिटन, एथलेक्टिस) का आयोजन विधायक एवं सांसद खेल स्पर्धा के रूप में कराया जाएगा। जिला युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी अपने संबंधित विधानसभा क्षेत्र से प्रतिभाग करने हेतु युवा साथी पोर्टल पर विधायक खेल स्पर्धा पंजीयन टैब पर पंजीकरण अवश्य करा लें।

3.36 करोड़ से 14 ब्लॉकों में होगा अंत्येष्टि स्थल का विकास

बस्ती। पंचायतीराज विभाग चालू वित्तीय वर्ष में 14 ब्लॉकों में एक-एक अंत्येष्टि स्थल का विकास करेगा। शासन स्तर से दिए गए लक्ष्य के अनुसार घाटों के आसपास भूमि चिह्नित की जा रही है। इस परियोजना पर तीन करोड़ 36 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। एक परियोजना की लागत 24 लाख रुपये है। शासन की ओर से जिले को 14 अंत्येष्टि स्थल बनवाने का लक्ष्य मिला है। ग्राम पंचायतों से आवेदन मांगे गए थे। 14 ग्राम पंचायतों से मिले आवेदन का सत्यापन कराया जा रहा है। मानक पर खरे उतरने वाली पंचायतों में अंत्येष्टि स्थल बनाए जएंगे। विभागीय अधिकारी इसके लिए ग्राम पंचायत का चयन करने में जुट हुए हैं। डीपीआरओ घनश्याम सागर ने बताया कि गांव स्तर पर अंत्येष्टि स्थल बनाने की है। जिन ग्राम पंचायतों के पास भूमि होती है, वे आवेदन करती हैं। डीएम की अध्यक्षता वाली समिति गांवों में भूमि की उपलब्धता व मानकों को ध्यान में रखते हुए गांवों का चयन करती है।

मारपीट में चार के खिलाफ केस दर्ज

बस्ती। सोनहा थाना क्षेत्र के फेरसम गांव में जमीन के विवाद में मंगलवार रात हुई मारपीट में सोनहा पुलिस ने चार के खिलाफ केस दर्ज किया है। फेरसम गांव की प्रीति पांडेय पत्नी पंकज पांडेय का आरोप है कि जमीन विवाद में उनके पट्टीदार अंकेश पांडेय, राजेश पांडेय, देवी प्रसाद उर्फ अनमोल ने पिता राजेंद्र पांडेय संग उनके ससुर महेंद्र पांडेय व सास भागीश्वरी देवी को दरवाजे पर चढ़कर लात घूंसे व लाठी डंडे से मारापीटा। प्रभारी निरीक्षक चंदन कुमार ने बताया कि अधिवक्ता संग चार के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज करने व जान से मारने की धमकी देने का केस पंजीकृत कर लिया गया है। चोटहिलों का मेडिकल कराया जा रहा है।

बस्ती डिपो को तीन नई बसें मिलीं यात्रियों का सफर होगा सुगम

बस्ती। रोडवेज बस्ती डिपो के बेड़े में तीन नई बसें शामिल हो गई हैं। ये बसें अब ग्रामीण मार्ग पर सेवा देंगी। इससे ग्रामीण राहगीरों को मुख्यालय और यहां से सुदूर जाने में सहूलियत मिलेगी। उनका सफर भी सुगम होगा। केंद्रीय कार्यशाला कानपुर से बस्ती डिपो को दो छोटी और एक बड़ी बस प्राप्त हुई है। बस लाने के लिए बस्ती डिपो के तीन चालक रवाना हुए थे। वहां से बस लेकर देर शाम बस्ती डिपो पहुंचे। अब बसें विभिन्न रूटों पर दौड़ेंगी। इससे यात्रियों को सफर करने में आसानी होगी। डिपो प्रशासन का कहना है कि ग्रामीण मार्ग पर छोटी बसें चलाई जाएंगी, ताकि संकरी सड़क पर भी कोई असुविधा न होने पाए। बड़ी बसों को भी ग्रामीण मार्ग पर लगाया जाएगा। वहीं, कई मार्ग पर सेवा बंद है, इससे उम्मीद है कि नई बसें आने से सेवा बहाल होगी। अब बस्ती डिपो में बसों की संख्या बढ़ जाएगी। नई बसों से अधिक आय प्राप्त हो सकेगी। डिपो प्रशासन ने कहा कि बसों के लिए जल्द ही नया रूट प्लान बनाया जाएगा और संचालित कराया जाएगा।

दुकान में मिला ब्रांडेड कंपनी का डुप्लीकेट नमक

बस्ती। पुलिस ने ब्रांडेड कंपनी का डुप्लीकेट नामक बरामद होने के मामले में दुकानदार पर कॉपीराइट एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। चंडीगढ़ स्थित कंपनी के कार्यालय से आए प्रभात कुमार गुप्ता ने रुधौली थाने में तहरीर देकर बताया है कि 10 सितंबर को रुधौली-बखिरा मार्ग पर रुधौली कला रुद्रनगर स्थित एक दुकान से ब्रांडेड कम्पनी के एक किलोग्राम के चार बैग बरामद किए गए हैं। टीम ने मौके से नमक को कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी विजय दुबे ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी संदीप कशौधन निवासी रुधौली कला, रुद्रनगर के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर जांच एसआई अलाउद्दीन खान को सौंपी गई है।

संगठन की मजबूती व हिंदुत्व की रक्षा पर जोर

बस्ती। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष स्नेह पांडेय राष्ट्रीय और बजरंग दल के जिलाध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी की अध्यक्षता में बैठक रोडवेज के निकट स्थित मैरिज हाल में हुई। इसमें हिंदुत्व की रक्षा के लिए प्रयास तेज करने, संगठन की मजबूती पर विचार किया गया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री ईश्वर ने कहा कि सनातन परंपरा की रक्षा और हिंदुत्व के विस्तार से ही भारत विश्व गुरु बन सकेगा। इसके लिए निरंतर प्रयास के साथ ही बाधक तत्वों से वैचारिक स्तर पर निपटना होगा।

जीएसटी सुधार से बढ़ेगी मांग और कर्ज वृद्धि, घरेलू मांग से होगी टैरिफ के नुकसान की भरपाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोथ्सचाइल्ड एंड कंपनी इंडिया प्राइवेट लि. की बोर्ड अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सलाहकार नैना लाल किदवई ने कहा, पूंजीगत खर्च और मांग में कमजोरी इस बात का संकेत है कि प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में कारोबारियों ने सतर्क रुख अपनाया है और उपभोक्ता गतिविधियों में कमी आई है। हालांकि, आगामी त्योहारी मांग और जीएसटी में नवीनतम सुधारों से उपभोक्ता धारणा में सुधार होगा। जीएसटी दरों में कटौती के कारण ?उत्पादों के दाम घटने और त्योहारी सीजन के कारण ?मांग एवं बैंकों के कर्ज वृद्धि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। ?रोथ्सचाइल्ड एंड कंपनी इंडिया प्राइवेट लि. की बोर्ड अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सलाहकार नैना लाल किदवई ने कहा, देश में पिछले वर्ष की तुलना में बैंक कर्ज में वृद्धि सुस्त रही है। ?इसकी प्रमुख वजह कमजोर पूंजीगत खर्च और सुस्त मांग है। किदवई ने कहा, पूंजीगत खर्च और मांग में कमजोरी इस बात का संकेत है कि प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में कारोबारियों ने सतर्क रुख अपनाया है और उपभोक्ता गतिविधियों में कमी आई है।

रजत पालकी में विराजित भगवान पार्श्वनाथ की निकली शोभायात्रा

▸ ग्वालियर

पर्युषण पर्व के समापन अवसर पर गोपाचल पर्वत पर वर्षों से चले आ रहे वार्षिक मेले का भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर दानाओली स्थित श्री दिगंबर जैसवाल जैन मंदिर से भगवान पार्श्वनाथ की भव्य विमान शोभायात्रा गाजे-बाजों और भक्तिमय धुनों के साथ निकाली गई। शोभायात्रा फालका बाजार और शिंदे की छावनी होते हुए गोपाचल पर्वत पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ भगवान का स्वागत किया। शोभायात्रा में चांदी की पालकी में विराजित भगवान की प्रतिमा को लेकर चल रहे युवाओं के आगे महिलाएं गाजे बाजों पर नृत्य करती हुई चल रही थी। यहां भगवान पार्श्वनाथ के अभिषेक किए गए और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर आचार्य सुबल सागर महाराज ने मंगल प्रवचन में कहा कि तुम बंदगी उसी की करो जो दुःखों से तार दे और जीवन को संवार दे।

सद्भावना यात्रा का आयोजन 14 को

मानव धर्म प्रवर्तक सदगुरुदेव सतपाल महाराज के पावन जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मानव उत्थान सेवा समिति शाखा ग्वालियर द्वारा 14 सितंबर रविवार को प्रात : 8 बजे तानसेन रोड स्थित श्री हंस विभू आश्रम से एक विशाल सद्भावना यात्रा निकाली जाएगी। यह जानकारी पं. रामबाबू कटारे ने दी।

गुरु का तिरस्कार करने वाला बनता है ब्रह्मराक्षस

जो अभिमान में चूर होकर गुरु की अवहेलना करता है। गुरु से वाद-विवाद करता है। उसे अगले जन्म में मिर्गी रोग होता है तथा वह वन में भटकने वाला ब्रह्मराक्षस बनता है। यह विचार दंदरौआधाम शताब्दीपुरम में वीकेयर द्वारा आयोजित हो रही श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस गुरूवार को राधेश्याम महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने विभिन्न प्रकार के पापाचार करने वालों की अगले जन्म की यौनियों का जिक्र करते हुए बताया कि ब्रह्म हत्या करने वाला कोढ़ी, गौहत्या करने वाला कुबड़ा और मूर्ख होता है।

शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 13 को

संत गजानन पुण्यतिथि उत्सव की श्रृंखला में उप शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 13 सितम्बर को शाम 7 बजे राष्ट्रोत्थान न्यास के तराणेकर सभागार में किया जाएगा। प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे ने बताया कि कार्यक्रम में नासिक महाराष्ट्र के प्रसिद्ध गायक आशीष रानडे उप शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति देंगे।

एक दिन छोड़कर पानी देने पर महापौर ने लगाई फटकार

बोलीं-कब सुधरेंगे पीएचई विभाग के हालात

▸ ग्वालियर

शहर में पीने के पानी और सीवर सफाई जैसी बुनियादी सुविधाएं पटरी से उतरी हुई हैं। हालात यह हैं कि कई क्षेत्रों में अभी तक एक दिन छोड़कर ही पानी दिया जा रहा है। गुरुवार को बाल भवन स्थित टीएलसी कक्ष में हुई समीक्षा बैठक में महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने पीएचई विभाग के अधिकारियों पर जमकर नाराजगी जताई। महापौर ने कहा कि आखिर कब तक शहरवासी पानी के लिए तरसते रहेंगे और विभाग सिर्फ कागजों में व्यवस्था सुधारने का दावा करता रहेगा।

महापौर ने निर्देश दिए कि सभी क्षेत्रों की टंकियां रोज भरने की ठोस योजना बनाई जाए। जहां जरूरत हो, वहां टंकियां दिन में दो बार भरी जाएं ताकि हर घर में प्रतिदिन पानी पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि आखिर समस्या कहां आ रही है और उसे दुरुस्त करने के लिए क्या व्यवस्था चाहिए।

बैठक में यह भी सामने आया कि जगह-जगह पानी की लाइनों के लीकेज और वाल्व खराब होने की वजह से जल प्रदाय प्रभावित हो रहा है। अमृत योजना की लाइनों का संधारण भी ढंग से नहीं हो रहा। महापौर ने अफसरों से समयबद्ध मरम्मत का प्लान मांगा और चेतावनी दी कि अब ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में एमआईसी सदस्य अवधेश कौरव, अपर आयुक्त प्रदीप तोमर, कार्यपालन यंत्री संजीव गुप्ता, आर.के. शुक्ला, सहायक यंत्री केसी अग्रवाल, प्रवीण दीक्षित, रामसेवक शाक्य, हेमंत शर्मा, नोडल अधिकारी सीवर लल्लन सेंगर सहित उपयंत्री और अन्य अफसर मौजूद रहे।

सीवर सफाई पर भी सवाल

महापौर ने सीवर संधारण की पोल भी खोल दी। फिलहाल सीवर सफाई का काम ठेकेदारों के भरोसे है और इस पर लाखों रुपए खर्च हो रहे हैं। उन्होंने पूछा कि अगर निगम खुद यह काम संभाले तो कितना खर्च आएगा और कौन से संसाधन चाहिए होंगे। साथ ही, अब तक ठेकेदारों पर कितनी पेनल्टी लगाई गई, इसका ब्यौरा भी मांगा। जलभराव से जूझे शहर की समस्या को लेकर भी महापौर ने कहा गया कि सभी वार्डों में सीवर सफाई कराई जाए और जलभराव वाले क्षेत्रों के लिए ठोस प्रस्ताव बनाकर तुरंत स्वीकृति के लिए भेजे जाएं।

सेवा पखवाड़ा: संत रविदास मंडल की हुई कार्यशाला

ग्वालियर। संत रविदास मण्डल द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाए जाने हेतु जिला नेतृत्व की मंशानुसार अमृता कान्वेंट स्कूल घोसीपुरा पर कार्यशाला का आयोजन गत दिवस किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजू सेंगर एवं विशेष अतिथि बिरजू शिवहरे उपस्थित रहे। अध्यक्षता मण्डल महामंत्री सुनील कुमार शर्मा ने की। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाए जाने वाले सेवा पखवाड़ा की विस्तृत जानकारी दी। सेवा का संकल्प लेकर इस सेवा पखवाड़े में रक्तदान, स्वच्छता अभियान, प्रबुद्धजनों से मिलना, स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों की मदद करने जैसे आयोजन भाजपा संगठन द्वारा किए जाएंगे। इस अवसर पर मण्डल के सीताराम बघेल, मोहन विट्वेकर, गिरीश इंदापुरकर, विहवल सेंगर, आकाश श्रीवास्तव, अवध नारायण श्रीवास्तव, गीता सिकरवार आदि उपस्थित थे। संचालन आशु सिसोदिया एवं आभार ब्रजकिशोर राठौर ने व्यक्त किया।

आने वाले वर्षों में लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे

ग्वालियर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के अपर केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त वी रंगनाथ ने क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर में दो दिवसीय प्रशासनिक एवं राजभाषा निरीक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना एवं तत्पर पोर्टल 2.0 पर जागरूकता कार्यक्रम तथा हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वी रंगनाथ ने कहा कि नए रोजगार सृजन के साथ श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता प्रदान करना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसके माध्यम से आने वाले वर्षों में लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर और सुरक्षित भविष्य प्राप्त होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुक्त सत्यवर्धन गौतम ने सभी नियोक्ताओं, पेंशनरों एवं भविष्य निधि सदस्यों से अपील की कि सदस्य की आकस्मिक मृत्यु की सूचना समय रहते तत्पर पोर्टल 2.0 पर अपलोड करें, ताकि परिजनों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इस मौके पर विभिन्न कंपनियों के कर्मचारी, यूनियनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चिकित्सकों का किया सम्मान

ग्वालियर। स्वामी विवेकानंद सेवा समिति द्वारा शिकागो धर्म सम्मेलन की 132वीं वर्षगांठ पर थाटीपुर विवेकानंद चौराहे पर चिकित्सकों का सम्मान किया गया। सम्मानित होने वालो में डॉ.अश्वनी भटनागर, डॉ. स्वदेश भदौरिया, डॉ. अमित जैन, डॉ.आशीष गुप्ता, डॉ. सुधीर राजौरिया, डॉ.रजनीश गोयल, डॉ. दीपेश सक्सेना, डॉ. शिवानी श्रीवास्तव, डॉ. आस्था श्रीवास्तव शामिल रहे। संचालन महेश सक्सेना एवं आभार अशोक सक्सेना ने व्यक्त किया।

'स्वामी विवेकानंद ने पढ़ाया विश्व बंधुत्व का पाठ'

ग्वालियर। स्वामी विवेकानंद ने 11 सितंबर 1893 को शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन में सारे जगत को बंधुत्व का पाठ पढ़ाया था। तभी से इस दिन को विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह बात रामकृष्ण मिशन आश्रम ग्वालियर के स्वामी कृष्णामृतानंद ने विवेकानंद नीडम में आयोजित विश्व बंधुत्व दिवस समारोह में वक्ताओं ने कही। विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एसएम तिवारी ने की। मुख्य अतिथि मानव अधिकार आयोग के डॉ. दीपक शर्मा ने राष्ट्र के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में उमाशंकर पचौरी ने भगिनी निवेदिता के वचनों का वाचन किया। स्वागत भाषण विवेकानंद नीडम प्रकल्प प्रमुख नितिन मांगलिक ने दिया। एकल गीत सुश्री महक ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन ब्रजेश सिंघल ने किया। इस मौके पर भजन भी प्रस्तुत किए गए।

एक्टिवा रोकने पर भड़के पिता-पुत्र, एएसआई का मोबाइल छीना, कार में डालकर ले जाने दी धमकी

▸ ग्वालियर

यातायात नियमों को तोड़ने वालों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई अब पुलिसकर्मियों के लिए सिरदर्द बनती जा रही है। एक्टिवा चालक की लापरवाही के कारण एक आरक्षक और युवती चिकित्सालय में जीवन से संघर्ष कर रहे हैं। तो एक बार फिर वाहन चेकिंग में सहायक उपनिरीक्षक को एक्टिवा को रोकना महंगा पड़ गया। एक्टिवा चालक पिता पुत्र ने दरोगा का न केवल मोबाइल छीन लिया बल्कि उन्हें कार मे पटककर ले जाने की धमकी देने लगे। आरक्षकों से भी पितापुत्र ने जमकर अभद्रता कर वर्दी उतारवाने की धमकी दी। सड़क पर काफी देर तक हंगामा होता रहा और बाद में वह एक्टिवा लेकर मौके से चलते बने।

झांसी रोड थाना क्षेत्र स्थित माधव नगर गेट के पास गुरुवार को यातायात थाना झांसी रोड में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक हरिओम सेंगर, आरक्षक प्रशांत सेंगर और संजय गुर्जर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। आरक्षक संजय गुर्जर ने एक्टिवा क्रमांक एमपी 07 एसएफ 2844 को रोका। एक्टिवा पर सवार दोनों लोगों ने गाड़ी रोकने पर आग बबूला हो गए और आरक्षक को धमकी देने लगे कि तूने गाड़ी को रोका कैसे। जब सहायक उपनिरीक्षक हरिओम सेंगर ने उनको समझाने का प्रयास किया तो वह उनसे भी अभद्रता करने लगे। एक्टिवा पर विनोद दुबे और उनका बेटा प्रतीक दुबे सवार थे। दोनों ने मिलकर एएसआई का मोबाइल छीन लिया और लायसेंस नहीं दिखाने पर आरक्षक और एएसआई को गाड़ी में पटककर ले जाने की धमकी देने लगे। स्टाफ ने पिता पुत्र को समझाने का प्रयास किया लेंकिन वह बार बार एक ही बात दोहरा रहे थे कि हमारी गाड़ी रोकने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई। जिस समय विनोद दुबे हरिओम सेंगर को गाड़ी में पटककर ले जाने की धमकी दे रहे थे उस समय वहां पर मौजूद लोग वीडियो बना रहे थे जिसे बाद में सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। आरक्षक की नेमप्लेट को भी खींचने का प्रयास किया गया। पुलिस और एक्टिवा सवार में बहस होने पर मौके पर लोग जमा हो गए और एक्टिवा सवार को समझाने लगे। आनलाइन चालान की जिद कर रहे पिता पुत्र को पुलिस कर्मियों ने बताया कि अभी नियम तोड़ने वालों के खिलाफ अभियान चल रहा है चालान आनलाइन नहीं भरा जाएगा लेकिन वह किसी की भी सुनने को तैयार नहीं थे। बाद में दोनों मौके से बिना जुर्माना दिए मौके से निकल गए।

इनका कहना है

"पुलिस कर्मियों के साथ अभद्रता करने वालों का ड्रायविंग लायसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। स्टाफ ने रोजनामचे में अपनी शिकायत को भी लिखा है। मामले की जांच की जा रही है।"

केपी तोमर
झांसी रोड यातायात थाना प्रभारी

आरक्षक व युवती को कुचलने वाले कार चालक को नोटिस देकर छोड़ा

पुलिस चेकिंग के दौरान आरक्षक अतुल शर्मा और युवती सरोज को कार से कुलचने वाले नाबालिग कार चालक को पुलिस ने नोटिस देकर छोड़ दिया है। अब उसे न्यायालय में बुलाया जाएगा। फिलहाल दोनों घायलों का चिकित्सालय में उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने नाबालिग चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के प्रयास की धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पड़ाव थाना क्षेत्र स्थित बस स्टैण्ड पर बुधवार को वाहन चेकिंग के दौरान कार क्रमांक एमपी 07 सीजे 5039 के चालक ने कार रोकने के दौरान आरक्षक अतुल शर्मा और सरोज को टक्कर मार कर घायल कर दिया था। आरक्षक को चालक कार के बोनट पर एक किमी तक घसीटकर अपने साथ ले गया था। पुलिस ने नाबालिग चालक को नोटिस देकर छोड़ दिया है। पुलिस ने आरक्षक सियाराम रावत की शिकायत पर नाबालिग चालक के खिलाफ धारा 132, 110 बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

वाहन चोर को पकड़ा, एक्टिवा बरामद

▸ ग्वालियर

पुलिस ने चेकिंग के दौरान शातिर चोर को पकड़ लिया। पकड़े गए चोर के कब्जे से पुलिस ने एक्टिवा बरामद की है। पुलिस ने आरोपी से अन्य घटनाओं के बारे में पूछताछ प्रारंभ कर दी है। नगर पुलिस अधीक्षक इन्दरगंज रोबिन जैन ने बताया कि आमखो बस स्टैण्ड के पास मरघट रोड पर कम्पू थाना पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। पुलिस को अवाड़पुर की तरफ से एक संदिग्ध एक्टिवा गाड़ी क्रमांक एमपी-07-एसएफ-3021 से आता हुआ दिखा। पुलिस को देखकर संदेही ने भागने का प्रयास किया। पुलिस ने उसे घेराबंदी कर रोक पकड़ लिया। एक्टिवा चालक अखिलेश उर्फ लाला पुत्र संजय कोरकू 19 साल निवासी सिंधिया नगर थाना विश्वविद्यालय से एक्टिवा के दस्तावेज मांगे तो वह गुमराह करने लगा। सख्ती से पूछताछ करने पर वह टूट गया और उसने गाड़ी को चोरी करना स्वीकार कर लिया। अभिलेख ने उमाशंकर की एक्टिवा को एमएलबी मैदान के पास से चोरी किया था। पुलिस ने चोर से अन्य घटनाओं के बारे में पूछताछ शुरु कर दी है।

14 शिक्षकों का हुआ सम्मान

ग्वालियर, । स्वर श्रृंगार प्रमोद बापट सितार कला केंद्र ग्वा. संस्था द्वारा कला के क्षेत्र में महाराथ हासिल करने वाले 14 शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पीजीव्ही कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील पाठक और विशिष्ट अतिथि डॉ. वंदना भूपेन्द्र प्रेमी रहीं। अध्यक्षता पं. सुनील पावगी ने की। सम्मानित होने वालो में जयश्री देव, डॉ. स्वप्न मराठे, सुश्री पद्मजा विश्वरूप, मीरा जैन, सुश्री शिव नायक, रुचि सूखदाणे, यखिलेश बघेल, ममता शर्मा, अंजलि खटावकर, डॉ. शालिनी पांडे, कुमारी शिवानी उपाध्याय, कुमारी निधि शर्मा, कुमारी निशा श्रीवास्तव व कुमारी निवेदिता शुक्ला आदि शामिल रहीं। संचालन वंदना सेन और आभार संध्या प्रमोद बापट ने किया।

संदीपनी विद्यालय में 650 लोगों का नेत्र परीक्षण

ग्वालियर। संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेरजा में गत दिवस 650 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया जिसमें 500 बच्चे और 150 पालक शामिल रहे। पालकों में 20 मरीज मोतियाबिंद से ग्रसित पाए गए। जबकि 500 बच्चों में से अधिकांश बच्चे मायोपिक प्रेशर से ग्रसित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवार्थ जन कल्याण समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश दीक्षित थे। अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य धर्मेन्द्र राणा ने की।

रेडियंट स्कूल के बच्चों ने किया भ्रमण

ग्वालियर। रेडियंट स्कूल के बच्चों ने गुरुवार को जीएसआई भूविज्ञान संग्रहालय ग्वालियर का भ्रमण किया। बच्चों ने 3डी के माध्यम से धरती और विज्ञान के रोचक रहस्यों को जाना। साथ ही डायनासॉर के मॉडल और असली जीवाश्म को देखा। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक अर्जुन गुप्ता एवं उपसंचालिका प्रिया गुप्ता ने बच्चों से प्रेरक संवाद कर म्यूजियम की जानकारी ली। प्राचार्य ब्रह्मजीत सिंह ने बच्चों एवं शिक्षकों के प्रयास को सराहा।

अग्रसेन मेला 27 और 28 को, प्रतियोगिताएं भी होंगी

▸ ग्वालियर

श्री अग्रवाल महासभा द्वारा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में दो दिवसीय मेले का भव्य आयोजन 27 और 28 सितंबर को रंग महल गार्डन में किया जा रहा है। मेला की तैयारियों को लेकर बुधवार को महिलाओं की बैठक अग्रसेन भवन तेजेंद्रनाथ की गली में आयोजित की गई। जिसमें मेले में होने वाली प्रतियोगिताओं की जानकारी के साथ संयोजिकाएं बनाई गई। जिसमें 27 सितंबर को मास्टरशेफ की तर्ज पर लाइव श्रीजी अग्र कुकिंग क्वीन प्रतियोगिता होगी जिसमें हर प्रतिभागी को ऑन द स्पॉट सामग्री दी जाएगी और नियमित समय में बताई गई डिश को बनाना रहेगा। यह प्रतियोगिता दोपहर 1 बजे से शुरू हो जाएंगी। उसी दिन मेहंदी के रंग महारानी माधवी के संग, बच्चों की डांस प्रतियोगिता, अग्रसेन दरबार के संगीत रत्न अंताक्षरी प्रतियोगिता को भी बड़े रूप में खिलाया जाएगा। चित्रकला, पाककला के नन्हे जादूगर, अग्रसेन महाराज की झांकी सजाओं, तात्कालिक भाषण, एक ईंट एक रुपया सजाओ, फैशन के रंग बच्चों के संग, महिलाओं का युगल नृत्य, भारतीय संस्कृति की पहचान, साड़ी रैंप वॉक इस तरह यह दोनों दिन की प्रतियोगिता रखी गई हैं। साथ ही गरबा डांडिया का आयोजन भी किया जा रहा है। जिसका प्रशिक्षण किडीज कार्नर स्कूल में शुरू हो गया है। बैठक में मेला संयोजक ज्योति गुप्ता, पूजा अग्रवाल और प्रतियोगिता संयोजक रेखा अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, कीर्ति गर्ग, मीनाक्षी गोयल, कविता बंसल आदि उपस्थित रहीं। महासभा के अध्यक्ष सुरेश बंसल, महामंत्री रवि कुमार गर्ग, मेला संयोजक शैलेश जैन, जगदीश मित्तल, आशीष जैन, मनोज अग्रवाल बाबा, गोकुल बंसल ने अग्रबंधुओं से कार्यक्रम सफल बनाने की अपील की है।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने पत्नी संग किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

वाराणसी। मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने काशी विश्वनाथ मंदिर में विधि-विधान से पूजन किया। उनका काफिला होटल ताज से विश्वनाथ धाम पहुंचा। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम अपने काशी दौरे के तीसरे दिन यानी शुक्रवार को काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां पत्नी संग बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन किए। बाबा के दर्शन कर वे काफी पसन्न दिखे। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना प्रमुख रूप से मौजूद रहे। बाबा विश्वनाथ के दर्शन- पूजन के बाद बाबतपुर एयरपोर्ट गए। यहां से अयोध्या के लिए रवाना हुए। वहीं मॉरीशस के प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर काशी विश्वनाथ धाम व आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। सुबह से गोदौलिया चौराहे से गेट नंबर चार तक नगर निगम के वाहनों से पानी का छिड़काव किया गया। मॉरीशस के प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर तीन घंटे का रूट डायवर्जन भी किया गया। काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के बाद पत्नी को माला पहनाते मॉरीशस के प्रधानमंत्री। काशी विश्वनाथ धाम में भ्रमण करते मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना। काशी विश्वनाथ धाम में भ्रमण करते मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

वाराणसी में विदेशी छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

वाराणसी। पुलिस को सूचना मिली कि छात्रा दरवाजा नहीं खोल रही है। चौक पुलिस ने मौके पर पहुंच कर छात्रा के दो विदेशी मित्रों और मकान मालिक से डुप्लीकेट चाबी लेकर दरवाजा खोला। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (इल्व) में इंडियन फिलॉसफी से पीएचडी कर रही एक विदेशी छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान फिलिप फ्रांसिस्का (27), निवासी मौरोमानिया के रूप में हुई। वह वर्तमान में चौक थाना क्षेत्र के गढ़वासी टोला स्थित मकान में किराए पर रह रही थी। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार की देर रात करीब 11:45 बजे पुलिस को सूचना मिली कि छात्रा दरवाजा नहीं खोल रही है। मौके पर चौक पुलिस ने पहुंच कर छात्रा के दो विदेशी मित्रों और मकान मालिक से डुप्लीकेट चाबी लेकर दरवाजा खोला। अंदर प्रवेश करने पर छात्रा अपने बिस्तर पर मृत अवस्था में मिली।

सम्पादकीय

लाठीतंत्र में बदलता लोकतंत्र

विपक्ष की तरफ से लगातार मोदी सरकार पर लोकतंत्र को कुचलने और विरोध की आवाज को दबाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। इस समय देश के कम से कम पांच राज्यों की घटनाएं इन आरोपों को बल दे रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मॉरिशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ गुरुवार को वाराणसी के दौरे पर थे, लेकिन इससे पहले उत्तरप्रदेश में जगह-जगह कांग्रेस नेताओं को नजरबंद करने की खबरें आईं। उत्तरप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय को भी लखनऊ में नजरबंद कर लिया। जबकि श्री राय ने 11.30 बजे प्रदेश कार्यालय पर प्रेस कान्फ्रेंस बुलाई थी। वह कान्फ्रेंस को संबोधित करने के लिए घर से निकलते इससे पहले ही पुलिस ने दस्तक दी। इसके बाद उन्हें घर से नहीं निकलने दिया गया। इसका वीडियो उन्होंने डाला है। इधर नजरबंदी का ऐसा ही खेल जम्मू-कश्मीर में हुआ। जब आम आदमी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक की गिरफ्तारी पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए आप सांसद संजय सिंह पहुंचे तो उन्हें भी गेस्ट हाउस में ही नजरबंद किया गया। हद तो तब हो गई जब पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के मुखिया फारुख अब्दुल्ला संजय सिंह से मिलने पहुंचे तो उन्हें भी गेस्ट हाउस के दरवाजे पर ही पुलिस ने रोक दिया। संजय सिंह ने इस अघोषित तानाशाही के खिलाफ जुझारूपन दिखाते हुए बंद दरवाजे की रेलिंग पर चढ़कर फारुख अब्दुल्ला से बात की। इस मौके का वीडियो भी सोशल मीडिया पर है, जिसमें संजय सिंह पुलिस वालों से पूछ रहे हैं कि मैं सांसद हूं और वो पूर्व मुख्यमंत्री हैं, हमें मिलने क्यों नहीं दिया जा रहा। जाहिर है केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर की पुलिस के पास इसका कोई जवाब नहीं है। फारुख अब्दुल्ला ने भी कहा है कि इस राज्य में पहले ही कई मुसीबतें आई हुई हैं। पहले पहलगाम आतंकी हमला, फिर बाढ़ और अब इस तरह के अलोकतांत्रिक काम, इन सबसे राज्य के लोगों की तकलीफें बढ़ रही हैं। गौरतलब है कि आप के विधायक मेहराज मलिक पर आतंकियों का महिमामंडन करने, अफवाहें फैलाने और डोडा के डीसी को अपशब्द कहने, सरकारी अस्पताल के काम में बाधा डालने और महिलाओं के खिलाफ अभद्र भाषा के इस्तेमाल जैसे कई आरोप लगाकर 8 सितंबर को जनसुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत गिरफ्तार कर कठुआ जेल भेजा गया है। जिसका जनता व्यापक पैमाने पर विरोध कर रही है। एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि को ही लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बता कर गिरफ्तार करने का यह विचित्र उदाहरण है। प्रशासन ने डोडा, भद्रवाह, गंडोह और ठाठरी समेत संवेदनशील इलाकों में भारी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। पुलिस लाउडस्पीकर से ऐलान कर रही है कि लोग घरों में ही रहें। यानी अघोषित कर्फ्यू के हालात हैं, और इसमें विपक्ष को सवाल करने भी नहीं दिया जा रहा। इधर लद्दाख में भी पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने बुधवार 10 सितंबर से एक और अनशन शुरू किया है, क्योंकि उनकी मांगों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले दो महीने से कोई बैठक नहीं बुलाई है। वांगचुक ने कहा, श्लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत राज्य का दर्जा और संरक्षण दिए जाने की मांग को लेकर केंद्र सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है, इसलिए वह अपना प्रदर्शन तेज करने को मजबूर हो रहे हैं। पिछले काउंसिल चुनाव में भाजपा ने लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा देने का वादा किया था। लेकिन ये अब तक पूरा नहीं हुआ है। वादाखिलाफी पर ऐसा ही गुस्सा असम में भी नजर आ रहा है। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने से जुड़े वादों को पूरा न करने को लेकर असम के दो प्रमुख जातीय समुदायों- मोरान और कोच राजबोंगशी ने तिनसुकिया और धुबरी जिलों में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन किए हैं। प्रदर्शनकारियों ने तालाप, काकोपाथर, मार्गेरिटा और तिनसुकिया शहर की सड़कों पर मार्च निकाला और अनुसूचित जनजाति का दर्जा और छठी अनुसूची के तहत स्वायत्तता की मांग की। उनका आरोप है कि ये वादे सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2016 में किए थे, लेकिन कभी पूरे नहीं हुए हैं। प्रदर्शनकारी कह रहे हैं कि अगर 2026 के चुनावों से पहले हमारी मांगों को फिर से नजरअंदाज किया गया तो हम और भी आक्रामक और निरंतर आंदोलन शुरू करने के लिए मजबूर होंगे। 15 सितंबर से राज्यव्यापी आर्थिक नाकेबंदी शुरू करने की चेतावनी भी दी गई है। वहीं ऑल कोच राजबंशी स्टूडेंट्स यूनियन ने धुबरी जिले के अंतर्गत गोलकगंज क्षेत्र में एक बड़े विरोध मार्च का आयोजन किया, जिसमें सीआरपीएफ के सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया तो महिलाओं और छात्र नेताओं सहित 50 से ज्यादा प्रदर्शनकारी घायल हो गए और हालात तनावपूर्ण बने हैं। वहीं पटना में भी लगातार सरकार के खिलाफ नाराजगी बढ़ रही है। सरकार नए वादे तो कर रही है, लेकिन पुराने फैसलों पर अमल नहीं हो रहा। हाल ही में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में संविदाकर्मियों की सेवा समाप्त कर दी गई है। अपनी नौकरी बहाली और बकाया वेतन की मांग को लेकर संविदाकर्मी पिछले एक महीने से गर्दनीबाग धरना स्थल पर आंदोलन कर रहे हैं।

आंबेडकर की चेतावनी, लोकतंत्र के माध्यम से हिंदू राष्ट्र का उदय

ए.जी. नूरानी

ह्लयदि हिंदू राज एक वास्तविकता बन जाता है, तो निस्संदेह, यह इस देश के लिए सबसे बड़ी विपत्ति होगी। हिंदू राज को किसी भी कीमत पर रोका जाना चाहिए,ह्व बी.आर. आंबेडकर ने अपनी पुस्तक पाकिस्तान ऑर द पार्टिशन ऑफ इंडिया (1946, पृष्ठ354-355) मेंलिखा है। वे बहुसंख्यकवाद के विरुद्ध थे, जिसका भारतीय संदर्भ में अर्थ बहुसंख्यक समुदाय, हिंदुओं का बेलगाम शासन था। अंबेडकर ने 24 मार्च, 1947 को राज्यों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर एक ज्ञापन में लिखा था, जिसे उन्होंने संविधान सभा की मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों आदि पर सलाहकार समिति द्वारा गठित मौलिक अधिकारों की उप-समिति को सौंपा थारू ष्भारत में अल्पसंख्यकों के दुर्भाग्य से, भारतीय राष्ट्रवाद ने एक नया सिद्धांत विकसित किया है जिसे बहुसंख्यकों की इच्छानुसार अल्पसंख्यकों पर शासन करने का बहुसंख्यकों का दैवीय अधिकार कहा जा सकता है। अल्पसंख्यकों द्वारा सत्ता में साझेदारी के किसी भी दावे को सांप्रदायिकता कहा जाता है, जबकि बहुसंख्यकों द्वारा पूरी सत्ता पर एकाधिकार को राष्ट्रवाद कहा जाता है। इस तरह के राजनीतिक दर्शन से प्रेरित होकर, बहुसंख्यक अल्पसंख्यकों को राजनीतिक सत्ता साझा करने की अनुमति देने के लिए तैयार नहीं है, न ही वह इस संबंध में किए गए किसी भी सम्मेलन का सम्मान करने को तैयार है, जैसा कि 1935 के भारत सरकार अधिनियम में राज्यपालों को जारी किए गए निर्देश पत्र में निहित दायित्व (मंत्रिमंडल में अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधियों को शामिल करने) के उनके अस्वीकार से स्पष्ट है। अनुसूचित जातियों को संविधान में शामिल किया गया है।ह्व (बी. शिवा राव, चुनिंदा दस्तावेज, खंड 2, पृष्ठ 113)। वह गलत नहीं थे। समाजवादी आंदोलन के सबसे बेहतरीन दिमागों में से एक, प्रेम भसीन ने लिखारू ष्जिस आसानी से बड़ी संख्या में कांग्रेसी पुरुष और महिलाएं - छोटे, बड़े और उससे भी बड़े - आरएसएस-भाजपा ख्राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-भारतीय जनता पार्टी, की नाव में सवार हो गए और उसके साथ चल पड़े, वह आश्चर्य की बात नहीं है। क्योंकि, दोनों के बीच हमेशा एक खास आत्मीयता रही है। कांग्रेस का एक बड़ा और प्रभावशाली वर्ग स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी ईमानदारी से मानता था कि एकजुट स्वतंत्र भारत की वेदी पर हिंदू भारतीयों के हितों की बलि नहीं चढ़ाई जा सकती। उदाहरण के लिए, पंडित मदन मोहन मालवीय और लाला लाजपत राय ने वास्तव में कांग्रेस से अलग होकर राष्ट्रवादी पार्टी की स्थापना की थी, जिसने 20 के दशक के मध्य में कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ा था। बाद के वर्षों में, 40 के दशक में, सरदार वल्लभभाई पटेल पर भी कभी-कभी हिंदू प्रतिशोधवादियों के प्रति नरम होने का आरोप लगाया जाता था, जो उस अशांत और भाग्यवादी दौर में जैसे को तैसा में विश्वास करते थे और उसका पालन करते थे।ष घटनाओं ने जनता (वार्षिक अंक 1998) में ष्कांग्रेस-भाजपा जोड़ीष शीर्षक

से प्रकाशित प्रेम भसीन के आकलन की सत्यता सिद्ध कर दी है। इस साप्ताहिक पत्रिका की स्थापना जयप्रकाश नारायण ने की थी और इसका संपादन उनके समर्पित अनुयायी डॉ. जी.जी. पारिख ने किया है। लेखक और संपादक एक अनोखे व्यक्तित्व के धनी थे, जो ग्रामीण उत्थान के लिए एक संस्था को निस्वार्थ सेवा प्रदान करते हैं। प्रेम बाबू अलीगढ़ में रहते थे और प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के महासचिव थे। साधारण आय वाले व्यक्ति होने के कारण, वे सार्वजनिक पुस्तकालय की पत्रिकाओं के अलावा, अंग्रेजी और हिंदी के सभी राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करते थे। इस लेखक के अनुसार, वे राजनीतिक परिदृश्य के सबसे व्यावहारिक और ईमानदार टिप्पणीकार थे। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि प्रमुख उद्योगपतियों में से एक, बी.एम. बिड़ला ने 5 जून, 1947 को वल्लभभाई पटेल को लिखारू ह्लमुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई है कि वायसराय द्वारा भारत के विभाजन की घोषणा से चीजें आपकी इच्छा के अनुसार हो गई हैं। निस्संदेह यह हिंदुओं के लिए बहुत अच्छी बात है और अब हम सांप्रदायिक दंश से मुक्त हो जाएँगे।ह्लविभाजित क्षेत्र, निश्चित रूप से, एक मुस्लिम राज्य होगा। क्या अब समय नहीं आ गया है कि हम हिंदुस्तान को एक हिंदू राज्य मानें जिसका राजकीय धर्म हिंदू धर्म हो? हमें देश को भी मजबूत बनाना होगा ताकि वह भविष्य में किसी भी आक्रमण का सामना करने में सक्षम हो सके।ह्व पटेल का प्रत्युत्तर त्वरित था। उन्होंने 10 जून, 1947 को उत्तर दियारू ह्लमुझे भी खुशी है कि 3 जून की घोषणा से कम से कम किसी न किसी तरह से चीजें सुलझ गई हैं। अब कोई अनिश्चितता नहीं है।३ मुझे नहीं लगता कि हिंदू धर्म को राजकीय धर्म मानकर हिंदुस्तान को एक हिंदू राज्य मानना संभव होगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अन्य अल्पसंख्यक भी हैं जिनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। राज्य सभी के लिए होना चाहिए, चाहे उनकी जाति या पंथ कुछ भी हो।ह्व यदि हिंदू राज्य को छोड़ दिया जाए, तो पटेल के मन में धर्मनिरपेक्ष राज्य के अलावा और कौन सा राज्य था? (दुर्गा दास द्वारा संपादित, सरदार पटेल का पत्राचार, खंड 4, पृष्ठ 56)। आंबेडकर दूरदर्शी थे। संविधान में संशोधन करके और हिंदू धर्म को राज्य धर्म बनाकर भारत को औपचारिक रूप से हिंदू राज्य घोषित करना आवश्यक नहीं है। प्रशासनिक उपायों से भी यही परिणाम प्राप्त किया जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा माना है जिसे संविधान संशोधन द्वारा भी खारिज नहीं किया जा सकता (एस.आर. बोम्मई बनाम भारत संघ (1994, 3 एससीसी 1)। आंबेडकर का मानना था कि प्रशासन पर विस्तृत संवैधानिक प्रावधान कारगर होंगे। 4 नवंबर, 1948 को संविधान के प्रारूप को अपनाने के लिए प्रस्ताव रखते समय उन्होंने संविधान सभा को बतायारू ष्यद्यपि सभी लोग एक लोकतांत्रिक संविधान के शांतिपूर्ण संचालन के लिए संवैधानिक नैतिकता के प्रसार की आवश्यकता को स्वीकार करते हैं, फिर भी इसके साथ दो बातें जुड़ी हुई हैं, जिन्हें दुर्भाग्य से, आम तौर पर मान्यता नहीं मिलती। पहली बात यह है कि प्रशासन के स्वरूप का संविधान के स्वरूप से गहरा संबंध है। प्रशासन का स्वरूप संविधान के स्वरूप के अनुरूप और उसी अर्थ में होना चाहिए। दूसरी बात यह है कि संविधान के स्वरूप को बदले बिना, केवल प्रशासन के स्वरूप को बदलकर, उसे संविधान की भावना के विरुद्ध और असंगत बनाकर, उसे विकृत करना पूरी तरह संभव है। इसका अर्थ यह है कि केवल वहीं लोग संवैधानिक नैतिकता से परिपूर्ण होते हैं, जैसा कि इतिहासकार ग्रोटे ने वर्णित किया है, जहाँ प्रशासन के विवरणों को संविधान से हटाने और उन्हें निर्धारित करने का काम विधानमंडल पर छोड़ने का जोखिम उठाया जा सकता है। प्रश्न यह है कि क्या हम संवैधानिक नैतिकता के ऐसे प्रसार की कल्पना कर सकते हैं? संवैधानिक नैतिकता कोई स्वाभाविक भावना नहीं है। धर्मनिरपेक्षता को विकसित करना होगा। हमें यह समझना होगा कि हमारे लोगों को अभी इसे सीखना बाकी है। भारत में लोकतंत्र भारतीय धरती पर केवल एक ऊपरी परत है, जो मूलतः अलोकतांत्रिक हैह्व (संविधान सभा वाद-विवाद, खंड 7, पृष्ठ 38)।कांग्रेस के नेताओं ने 1885 में बॉम्बे में आयोजित पहली कांग्रेस से ही धर्मनिरपेक्षता को स्थापित करने का प्रयास किया। 1926 में 41वीं कांग्रेस के अध्यक्ष एस. श्रीनिवास अयंगर ने धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत को बहुत ही कुशलता से व्यक्त किया (लेखक का लेख ह्लभारतीय धर्मनिरपेक्षता की जड़ेंह्व, फ्रंटलाइन, 8 अगस्त, 2014 देखें)। 1931 में कराची में 45वीं कांग्रेस के अध्यक्षीय भाषण में वल्लभभाई पटेल ने भी ऐसा ही किया था। हिंदू-मुस्लिम ह्लएकता तभी आ सकती है जब बहुसंख्यक दोनों हाथों में साहस जुटाएँ और अल्पसंख्यक के साथ स्थान बदलने के लिए तैयार हों। यही सर्वोच्च बुद्धिमत्ता होगी।लेकिन तब तक, ऐसी ताकतें सामने आ चुकी थीं जो कांग्रेस की विचारधारा से सहमत नहीं थीं, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग नहीं लिया था और जो पुनरुत्थानवादी घृणा से भरी हुई थीं। लाला लाजपत राय ने 1924 में द ट्रिब्यून के लिए लिखे अपने 13 लेखों की श्रृंखला के नौवें लेख में उनके विकास का उल्लेख किया। अपने तरीके से, हिंदू पुनरुत्थानवादियों ने एक सख्त अलगाववादी और आक्रामक सांप्रदायिक भावना पैदा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पिछली सदी के अस्सी के दशक के आरंभ में, कुछ हिंदू धार्मिक नेता इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि हिंदू धर्म तब तक बर्बाद है जब तक वह उग्र इस्लाम और उग्र ईसाई धर्म के आक्रामक स्वरूपों को नहीं अपना लेता। आर्य समाज एक प्रकार का उग्र हिंदू धर्म है। लेकिन यह विचार किसी भी तरह से आर्य समाज तक ही सीमित नहीं था। स्वामी विवेकानंद और उनकी प्रतिभाशाली शिष्या सिस्टर निवेदिता, अन्य लोगों के अलावा, इसी विचारधारा के थे। आक्रामक हिंदू धर्म पर उनके द्वारा लिखे गए लेख उस मानसिकता के सबसे स्पष्ट प्रमाण हैं। इस संबंध में यह याद रखना चाहिए कि पश्चिमी ज्ञान, पश्चिमी विचार और पश्चिमी मानसिकता ने ब्रिटिश शासन के बहुत शुरूआती दौर में ही हिंदू मन पर कब्जा कर लिया था। ब्रह्म समाज इसका पहला उत्पाद था। साठ के दशक के आरंभ में ब्रह्म समाज एक गैर-हिंदू संस्था थी, और इसके प्रभाव में हिंदू विद्वान, विचारक और छात्र विश्वव्यापी बन रहे थे। कुछ ईसाई बन गएय अन्य नास्तिक हो गए और पूरी तरह से पश्चिमीकृत हो गए।

करोड़ों दिलों में राज करती हिंदी राष्ट्रभाषा क्यों नहीं

हिंदी करोड़ दिलों में बसी हुई भाषा है। इसके अलावा विदेशों में भी करोड़ों लोगों के मध्य संवाद की भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा होने का गौरव प्राप्त है किंतु आज पर्यंत तक हिंदी को राष्ट्रभाषा होने का सर्वोच्च सम्मान अभी भी अपेक्षित है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहां भी है ष्राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक हैष हिंदी की सार्वभौमिक स्वीकार्यता के कारण ही भारतीय राजनेताओं ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया था। उल्लेखनीय है कि हिंदी भाषा विदेशों में जितनी फल फूल रही है बल्कि हिंदी बोलने वाले भारतवंशी कई देशों के राष्ट्र प्रमुख भी हैं और थे, जैसे ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ रामगुलाम, पुर्तगाल के एंटोनियो कोष्टा प्रधानमंत्री, श्री इरफान गुयाना के राष्ट्रपति, सुरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी, और सेसिल के राष्ट्रपति रामखेलावन पदस्थ हैं। इन देशों में हिंदी के प्रचार-प्रसार के अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार भी हिंदी के विस्तार का बड़ा माध्यम बना हुआ है। हिंदी मूलतः बड़ी विशाल एवं आसानी से बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली भाषा है। भारत की भौगोलिक विशालता और विविधता के बावजूद हिंदी सर्व स्वीकार्य और देश की सर्व सम्मत भाषा है। यह अलग बात है कि अभी तक संवैधानिक रूप से इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो पाया है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय आंदोलनकारियों ने यह महसूस किया की एकमात्र हिंदी भाषा ही ऐसी भाषा है जो दक्षिण के कुछ क्षेत्र को छोड़कर पूरे देश की संपर्क भाषा है। भारत के संविधान में कुल 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। पर हिंदी भाषा ही एक ऐसी भाषा है जो भारत में विभिन्न भाषा भाषाई नागरिकों के मध्य विचार विनिमय और संपर्क के लिए एक बड़ा सहारा है। हिंदी के विशाल स्वरूप को मद्दे नजर रख पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा ष्हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का या भाषा का बहिष्कार नहीं कियाष यह शब्द हिंदी की पवित्रता और व्यापकता को इंगित करते हैं। वर्तमान परिस्थितियों एवं समय काल मैं पूरे विश्व में 45 करोड़ लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा है। इसकी सरलता एवं सहजता विश्व के लोगों को अत्यंत प्रभावित भी करती है। हिंदी के विद्वानों,शिक्षाविदों, लेखकों, रचनाकारों और युवा लेखकों द्वारा हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका भी निभाई है। कई नामचीन विद्वान लेखक जिन्होंने हिंदी को वैश्विक भाषाई शिखर पर पहुंचाया है। इसी अनुक्रम में 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एकमतेन हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का निर्णय भी लिया गया था। और हिंदी दिवस मनाने का एकमात्र उद्देश्य राजकीय कार्यालयों इसके व्यापक प्रचार प्रसार एवं पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की ही है। हिंदी भाषा को पूरे विश्व में द्वितीय भाषा के रूप में माना जाता है। हिंदी नए वैश्विक स्तर पर अपने चलन के कारण अंग्रेजी भाषा को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। आज हिंदी भाषा का कंप्यूटर,इंटरनेट ई बुक, सोशल मीडिया, विज्ञापन, टेलीविजन रेडियो आदि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जा रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या विदेशी व्यापारियों के लिए एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है। यही कारण है कि विदेशी कंपनियां अपने सभी विज्ञापनों एवं सामानों में हिंदी भाषा का उपयोग कर भारतीय जनमानस को अपने उत्पादों के प्रति आकर्षित करना चाहती है।यही वजह है कि हिंदी का व्यापक प्रचार-प्रसार भी इसी माध्यम से हो रहा है। विदेशों में भारतीय फिल्मों ने भी हिंदी का बड़ा और वृहद प्रचार प्रसार किया है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, रूस मैं निवासरत भारतीय लोग हिंदी के प्रचार में निरंतर लगे हुए हैं। वहां हिंदी बोली तथा समझी जाती है। एनी बेसेंट ने सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह है हिंदी, जो हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर हिंदी बोलने वाला से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा भी अपने सामानों को बेचने के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग करना पड़ रहा है। भारत में कुछ काले अंग्रेज लोग जो सिर्फ महानगरों में अंग्रेजी को ही महत्त्व देते हैं, उन्हें इस बात को समझ जाना चाहिए की भविष्य में हिंदी का भविष्य वैश्विक स्तर पर उज्जवल है। और उन्हें हिंदी भाषा बोलने में शर्म नहीं आनी चाहिए। अंग्रेजी भाषा एक अंतरराष्ट्रीय भाषा है वह जरूर बड़ी कंपनियों मैं विदेश में नौकरी दिलाने का माध्यम बन सकती है, पर हिंदी देश का गौरव और नागरिकों की आत्माओं में बसी एक पवित्र धारा है ।अंग्रेजी भाषा रोजगार मूलक जरूर हो सकती है, पर केवल इसी कारण हिंदी की अवहेलना और उपेक्षा किसी भी स्तर पर तर्कसंगत नहीं है। भारतीयों को हिंदी के आत्म गौरव को विस्मृत नहीं करना चाहिए। हिंदी देश को भावनात्मक एकता के सूत्र में बांधे में सक्षम भारत की एकमात्र सशक्त भाषा है। हिंदी की गहराई तथा विशालता किसी बात से इंगित होती है कि भारतीय ग्रंथों और बड़े मूर्धन्य लेखकों की किताबों का अनुवाद विश्व की अनेक भाषाओं में किया गया है। और हिंदी की रामायण गीता रामचरितमानस वैश्विक स्तर पर पढ़ी जाती है। इसे राष्ट्रभाषा बनाकर शीर्ष में सम्मान देने की आवश्यकता है।

सादगी, ताकत और आधुनिकता का संगम है मोदी के मंत्रियों की संपत्ति का ब्यौरा

इसके विपरीत, कई मंत्रियों ने पुराने वाहन अपनी संपत्ति में शामिल किए हैं। नितिन गडकरी की 31 साल पुरानी एम्बेसडर कार, विरेंद्र कुमार का 37 साल पुराना स्कूटर और रवनीत बिट्टू की 1997 मॉडल की मारुति, ये सब केवल धातु के ढाँचे नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा वर्ष 2024 25 के लिए मंत्रिपरिषद के सदस्यों की संपत्ति का विवरण जारी किया गया है। पहली नजर में यह सूची केवल आभूषण, जमीन, गाड़ियाँ और निवेशों का ब्योरा लगती है, लेकिन गहराई से देखने पर यह भारतीय राजनीति की मानसिकता, सामाजिक प्रतीकवाद और सत्ता की शैली का आईना बन जाती है। सबसे पहले ध्यान आकर्षित करता है जयंत चौधरी का क्रिप्टो निवेश। वह अकेले मंत्री हैं जिन्होंने डिजिटल संपत्ति घोषित की है। उन्होंने करीब 43 लाख रुपये के बिटकॉइन जैसे निवेश किये हैं। यह उस समय में खास महत्व रखता है जब भारत में क्रिप्टो अब भी कानूनी अनिश्चितता में है और फ्लकलगातार इससे जुड़े जोखिमों की चेतावनी देता रहा है। यह खुलासा दिखाता है कि नए दौर का नेतृत्व जोखिम लेने और नए वित्तीय प्रयोग करने से पीछे नहीं हट रहा। इसके विपरीत, कई मंत्रियों ने पुराने वाहन अपनी संपत्ति में शामिल किए हैं। नितिन गडकरी की 31 साल पुरानी एम्बेसडर कार, विरेंद्र कुमार का 37 साल पुराना स्कूटर और रवनीत बिट्टू की 1997 मॉडल की मारुति, ये सब केवल धातु

के ढाँचे नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश हैं। जनता को यह बताना कि नेता अब भी साधारण हैं, विलासिता से दूर हैं और परंपरा को सँजोए हुए हैं। लेकिन इस सादगी के बीच एक और पैटर्न साफ झलकता है– हथियारों की मौजूदगी। रिवॉल्वर, पिस्तौल और राइफल घोषित करने वाले मंत्री कम नहीं हैं। यह उस सामाजिक और राजनीतिक संस्कृति को दशार्ता है जहाँ ताकत का प्रदर्शन और व्यक्तिगत सुरक्षा सत्ता के साथ कदमताल करती है। सबसे बड़ा हिस्सा, अपेक्षा के अनुसार सोने और आभूषणों का है। राव इंदरजीत सिंह के पास 1.2 करोड़ रुपये से अधिक का सोना और हीरे हैं, नितिन गडकरी व एल. मुरुगन के पास भी लाखों के आभूषण हैं। देखा जाये तो भारतीय समाज में आभूषण सदियों से आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा दोनों का प्रतीक रहे हैं, मंत्रियों की संपत्ति भी इस परंपरा को दोहराती है। मोदी सरकार में महिला मंत्रियों की बात करें तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पास 27 लाख से अधिक के आभूषण, म्यूचुअल फंड में 19 लाख से ज्यादा और एक दोपहिया वाहन है। वहीं केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के पास भी रिवॉल्वर, राइफल, ट्रैक्टर और लगभग ?1 करोड़ के म्यूचुअल फंड हैं। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के पास डबल बैरल गन और रिवॉल्वर तथा 67 लाख से ज्यादा के सोने के आभूषण हैं। देखा जाये तो इन संपत्तियों का सार्वजनिक खुलासा लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की कसौटी है। यह जनता को भरोसा दिलाने का प्रयास भी है कि नेता अपनी आर्थिक स्थिति छिपा नहीं रहे। लेकिन इन घोषणाओं का एक दूसरा पहलू भी है कि संपत्ति अब केवल निजी स्वामित्व नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतीक बन गई है। बहरहाल, मोदी सरकार के मंत्रियों की घोषित संपत्तियाँ केवल रकम और वस्तुओं का हिसाब नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की बदलती शैली का दस्तावेज हैं। यह दस्तावेज बताता है कि सत्ता में बैठे लोग जनता को साधारण, शक्तिशाली, पारंपरिक और आधुनिक, सभी रूपों में संदेश देना चाहते हैं। सवाल यह है कि क्या ये संदेश वास्तविक जीवन की सच्चाई हैं या केवल राजनीतिक छवि गढ़ने का प्रयास?

एंटीबायोटिक दुरुपयोग

यह सर्वविदित है कि भारत में डॉक्टरी सलाह तथा बिना परामर्श के एंटीबायोटिक दवाएं लेना आम बात है। यह जानते हुए भी कि लगातार इन दवाओं के सेवन से उनकी रोगप्रतिरोधक क्षमता गहरे तक प्रभावित होती है। एक समय ऐसा आ जाता है कि रोगों पर ये एंटीबायोटिक दवाएं काम करना बंद कर देती हैं। इस चिंता को हाल में हुए एक अध्ययन ने बढ़ाया है। नये अध्ययन ने एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर किया है, जो बताता है कि भारत में एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग के पीछे मरीजों की सोच एक प्रमुख कारक है। अधिकांश लोगों की धारणा है कि इन दवाओं के सेवन से वे स्वतरू ही ठीक हो जाएंगे। उन्हें डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं होगी। वहीं दूसरी ओर निजी क्षेत्र के कुछ डॉक्टर भी अक्सर अपने मरीजों को बनाए रखने के लिये ऐसा करते हैं। वास्तव में इस प्रवृत्ति के परिणाम खासे चौंकाने वाले हैं। अध्ययन के मुताबिक भारत में अकेले निजी क्षेत्र में ही सालाना आधे अरब से ज्यादा एंटीबायोटिक दवाएं लिखी जाती हैं। जिनमें बड़ी संख्या में ऐसी दवाइयां होती हैं, जिनकी वास्तव में जरूरत ही नहीं होती। आमतौर पर बच्चों में होने वाले दस्त के मामले में यह दुरुपयोग सबसे ज्यादा है। हालांकि, ज्यादातर मामले वायरल का प्रभाव होते हैं। ऐसी स्थिति में ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट और जिंक सकारात्मक परिणाम देते हैं। अध्ययन से पता चला है कि इसके बावजूद 70 फीसदी मामलों में अभी भी एंटीबायोटिक दवाओं से इलाज किया जाता है। लेकिन हकीकत यह है कि अतार्किक मांग, कड़े कानूनों का अभाव और डॉक्टरों द्वारा जरूरत से ज्यादा दवाइयां लिखने के कारण एंटीबायोटिक दवाइयों पर मरीजों की निर्भरता बढ़ती चली गई है। कालांतर एंटीबायोटिक दवाइयों पर लगातार बढ़ती निर्भरता के चलते एक घातक चक्र का निर्माण होता है। जो मरीज के शरीर में तमाम तरह के साइड इफेक्ट भी पैदा करता है। वास्तव में इससे बड़ा संकट यह है कि एक समय के बाद ये दवाइयां रोग के खिलाफ काम करना बंद कर देती हैं। कई तरह के रोग बढ़ाने वाले रोगाणु इनके खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते हैं। बहुत संभव है कि किसी महामारी के वक्त व्यक्ति का शरीर एंटीबायोटिक के इस्तेमाल के बावजूद सुरक्षा कवच न दे। निश्चित रूप से इस संकट से बचने का सरल उपचार यही है कि इसका उपयोग कम से कम किया जाए। सरकारों को भी कानून के जरिये इसका नियमन करना चाहिए। हमें इससे जुड़े आसन्न संकट को महसूस करना चाहिए। यह खतरा मरीज की व्यक्तिगत सुरक्षा से कहीं आगे तक विस्तारित है। गंभीर चिंता का विषय यह है कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध यानी एएमआर दुनिया में सबसे घातक संकटों में से एक के रूप में उभर रहा है। डराने वाला आंकड़ा यह है कि वैश्विक स्तर पर, यह पहले से ही हर साल लगभग 50 लाख मौतों का कारण बनता है। अकेले भारत में, वर्ष 2021 में 2.5 लाख से ज्यादा मौतें सीधे तौर पर एएमआर से जुड़ी थीं और लगभग 10 लाख से ज्यादा मौतें दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों से जुड़ी थी। खासतौर पर चिंताजनक तथ्य यह है कि वर्ष 2019 में, गंभीर दवा-प्रतिरोधी जीवाणु संक्रमण वाले केवल 7.8 भारतीयों को ही प्रभावी एंटीबायोटिक्स मिले। जो इस उपचार की एक बड़ी कमी को उजागर करता है। जिसके चलते प्रतिरोधी रोगाणु आसानी से फैलते हैं और एक बार ठीक हो सकने वाले संक्रमणों को घातक बना देते हैं। जिसके चलते सर्जरी, कैंसर के इलाज और नियमित देखभाल को कहीं ज्यादा जोखिमभरा बना देते हैं। निश्चित रूप से इस दिशा में जनजागरण अभियान की जरूरत है कि हर छोटे-मोटे रोग के लिये एंटीबायोटिक दवाइयां लेने की जरूरत नहीं है। जन अभियानों के जरिये एंटीबायोटिक्स से जुड़ी भ्रांतियों को सरकार व सामाजिक स्तर पर दूर करने की जरूरत होगी। इनके अंधाधुंध उपयोग रोकने के लिये कानून से नियमन जरूरी है। साथ ही तर्कसंगत उपचार के लिये किफायती नैदानिक विकल्प व्यापक रूप से उपलब्ध कराने होंगे।

मनोरंजन

नौ महीने तक गिरने के बाद अगस्त में फिर बढ़ी खुदरा महंगाई, मुद्रास्फीति दर 2.07 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगस्त में खुदरा मुद्रास्फीति मामूली बढ़कर 2.07 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने 1.61 प्रतिशत थी। इसका मुख्य कारण सब्जियों, मांस और मछली की कीमतों में वृद्धि है। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह बात कही गई। आइए महंगाई के आंकड़ों के बारे में विस्तार से जानें। अगस्त में खुदरा मुद्रास्फीति मामूली बढ़कर 2.07 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने 1.61 प्रतिशत थी। इसका मुख्य कारण सब्जियों, मांस और मछली की कीमतों में वृद्धि है। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह बात कही गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति अगस्त 2024 में 3.65 प्रतिशत थी। लगातार नौ महीने तक घटने के बाद खुदरा महंगाई में एक बार फिर से इजाफा दिखा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर जारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2025 के दौरान वार्षिक मुद्रास्फीति अगस्त 2024 की तुलना में (-) 0.69 प्रतिशत थी।

कौन हैं रितिका नायक? 'मिराय' में जिनकी मासूमियत ने जीता सबका दिल

तेजा सज्जा की हालिया रिलीज फिल्म मिराय सिनेमाघरों में रिलीज होते ही चचाओं में छा गई है। फिल्म की कहानी, विजुअल्स और वीएफएक्स के अलावा फिल्म की लीड एक्ट्रेस रितिका नायक भी चचाओं में छाई हुई हैं। जानिए कौन हैं रितिका नायक? तेजा सज्जा और मांचू मनोज की एक्शन-एडवेंचर से भरी मायथोलॉजिकल फिल्म मिराय सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। दर्शकों को फिल्म के विजुअल्स और वीएफएक्स काफी प्रभावित कर रहे हैं। लेकिन इस फिल्म के रिलीज होते ही अगर किसी को सबसे ज्यादा सर्च किया जा रहा है तो वो हैं फिल्म में नजर आई रितिका नायक। रितिका फिल्म की लीड एक्ट्रेस हैं। अब उनकी खूबसूरती और मासूमियत ने लोगों को प्रभावित किया है। जानिए रितिका नायक के बारे में। दिल्ली के ओड़िया परिवार में हुआ जन्म 27 अक्टूबर 1997 को दिल्ली में एक ओड़िया परिवार में जन्मीं रितिका नायक ने दिल्ली पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की है। साल 2019 में रितिका ने दिल्ली टाइम्स फ्रेश फेस का 12वां सीजन भी जीता है। 2022 में किया फिल्मों में डेब्यू रितिका को शुरू से ही एक्टिंग की दुनिया में जाना था। कई जगह ऑडिशन देने के बाद रितिका को साल 2022 में आई अशोक वनमलो अर्जुन कल्याणम में एक्टिंग करने का मौका मिला। इस फिल्म से रितिका ने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू किया। इस फिल्म में रितिका के साथ विश्वक सेन और रुखसार ढिल्लन भी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। इस फिल्म के लिए रितिका को रक्कटअ अवॉर्ड में बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का नॉमिनेशन भी मिला। इसके बाद रितिका 2023 में आई नानी और मृणाल ठाकुर की फिल्म हाय नन्ना में भी नजर आई थीं। हालांकि, इस फिल्म में उनका सिर्फ कैमियो था। इसके बाद अब मिराय रितिका की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म में वो मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा उनकी आगामी फिल्मों में विजय देवरकोंडा के भाई आनंद देवरकोंडा की फिल्म डुएट शामिल है। मिराय में दिखा रितिका का मासूस अंदाज मिराय में रितिका ने विभा नाम का किरदार निभाया है, जिसे तेजा सज्जा के किरदार को ढूंढने के लिए भेजा जाता है। उनका किरदार काफी शांत और सौम्य है। एक साधिका की तरह लगते अपने किरदार में रितिका काफी खूबसूरत लगी हैं और उनकी मासूमियत ने हर किसी को प्रभावित किया है।

नमित मल्होत्रा ने म्यूजिक लीजेंड हांस जिमर को किया बर्थडे विश, रामायण में जुड़ने पर जताई खुशी

रामायण साल 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है, सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर भी माना जा रहा है। मशहूर फिल्ममेकर नितेश तिवारी इस मेगा प्रोजेक्ट को डायरेक्ट कर रहे हैं, जबकि नमित मल्होत्रा समेत कई लोग इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह मैग्नम ओपस दो पार्ट्स में बनेगा और इसे बेहद बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। इस फिल्म के लिए मेकर्स ने दुनियाभर से बेहतरीन टैलेंट्स को साथ लाया है, ताकि प्रोडक्शन से लेकर म्यूजिक और स्टोरीटेलिंग में वर्ल्ड-क्लास विजनरीज को जोड़ा जा सके। प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने फिल्म के लेजेंडरी म्यूजिक कंपोजर, जो दो बार के अकेडमी अवॉर्ड विजेता भी हैं हांस जिमर को उनके बर्थडे के मौके पर खास संदेश शेयर किया। ऐसे में सोशल मीडिया पर नमित मल्होत्रा ने हांस जिमर और ए.आर. रहमान के साथ अपनी एक खास तस्वीर शेयर की। जिसके बाद पोस्ट को देखने के बाद सोशल मीडिया पर तुरंत ही हलचल मच गई, और फैंस दुनिया के दो म्यूजिक लीजेंड्स और मशहूर फिल्ममेकर के बीच इस ऐतिहासिक सहयोग का जश्न मनाने लगे। तस्वीर शेयर करते हुए नमिता मल्होत्रा ने लिखा, ह्लआज का दिन खास है। मेरे दोस्त और दुनिया की सबसे टैलेंटेड, द वन एंड ओनली /ंद्रेपउउमत का जन्मदिन है। आपको अच्छी सेहत, खुशियाँ और वह ताकत मिले जिससे आप अपनी क्रिएटिविटी और मैजिक से भरे टैलेंट से सबको यूं ही दीवाना करते रहें। यकीन नहीं होता कि आप हमारे रामायण के सफर का हिस्सा हैं, जहाँ आप और हमारे अपने /ततींउंद संग मिलकर कुछ जादुई क्रिएट करने वाले हैं।

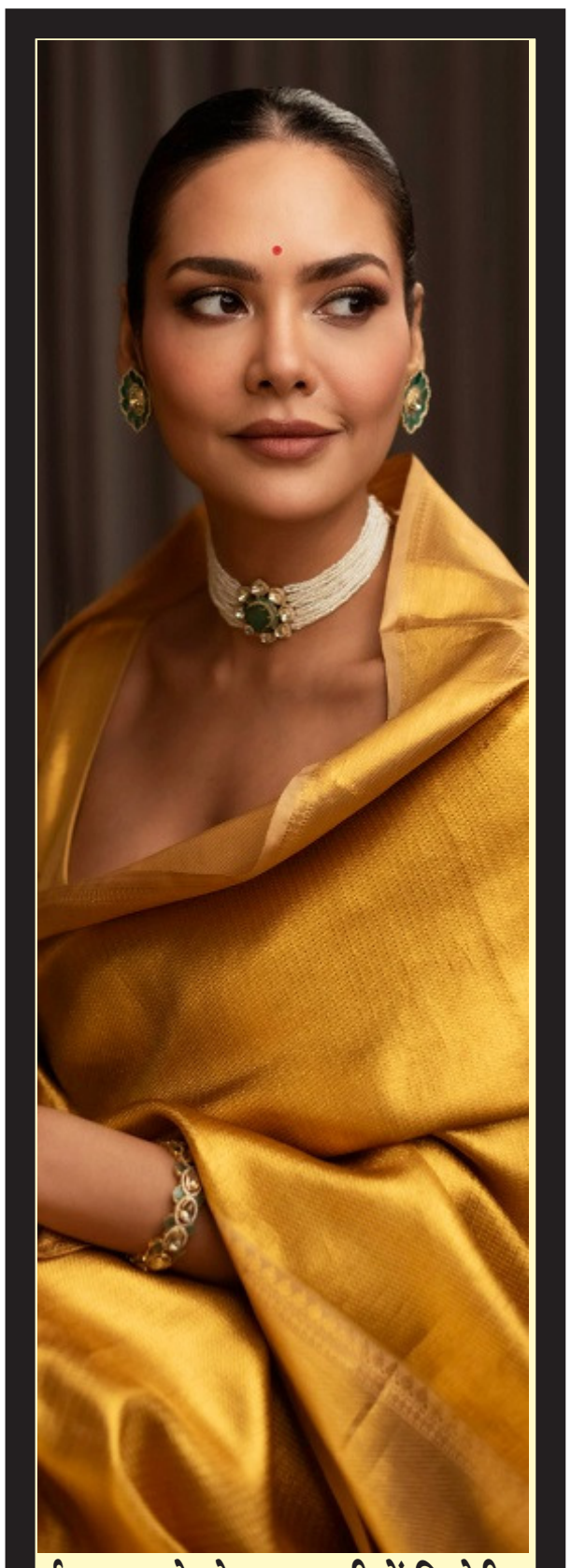

ईशा गुप्ता ने गोल्डन साड़ी में बिखेरी अपनी शाही सुंदरता, एक्ट्रेस ने धमाल 4 की शूटिंग की पूरी

जब पारंपरिक विरासत और आधुनिक परिष्कार का मेल करना हो, तो ईशा गुप्ता एक बार फिर साबित कर देती हैं कि वे किसी अलग ही लेवल पर हैं। रेशमी चमक से दमकती गोल्डन साड़ी में लिपटी, अभिनेत्री एक शाही आकर्षण बिखेरती दिखाई देती हैं, जो न केवल प्रभावशाली है बल्कि बेहद सुरुचिपूर्ण भी है। साड़ी की रेशमी चमक उनकी प्राकृतिक आभा को और निखार देती है, जबकि इसकी सहज लहराती गिरावट उनके शरीर की रेखाओं को बेहद नाजुक ढंग से उभारती है। ईशा ने लुक को न्यूनतम लेकिन आकर्षक रखा है, जिससे कपड़े की शानदार बनावट खुद ही केंद्र में आ जाती है। एक हल्के स्ट्रक्चर्ड ब्लाउज ने पूरे लुक में आधुनिकता का स्पर्श जोड़ा है, जिससे परंपरा और समकालीनता का संतुलन सहजता से बन गया है।

बिग बॉस 19: नेहल ने अमाल मलिक पर लगाया गलत तरीके से छूने का आरोप, भन्नाए लोगों ने कहा-ये बहुत इरिटेटिंग बेशर्म लड़की

विवादित रियालिटी शो बिग बॉस 19 के वीरवार के एपिसोड में खूब सारा ड्रामा देखने को मिला। कैप्टेंसी टास्क के दौरान नेहल चुडासमा ने अमालमलिक पर उन्हें गलत तरीके से छूने का आरोप मढ़ दिया। नेहल ने उनपर मारपीट का आरोप लगाया और फूटकर रोने लगीं। अमाल ने उनसे माफी भी मांगी लेकिन नेहल ने बात करने से इंकार कर दिया। अमालने भी घरवालों को सफाई दी और कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है। अब सोशल मीडिया भी अमाल के सपोर्ट में उतर आया है। दरअसल, बीते एपिसोड में दिखाया गया कि घर में नए कैप्टन के लिए टास्क हो रहा है। घरवालों को दो ग्रुप में बांटा गया। टीम रेड और टीम ब्लू। टास्क में ब्लैक बोर्ड पर दूसरी टीम को लिखना था और विरोधी टीम को उसे मिटाना था। इसी टास्क के दौरान नेहल ब्लैक बोर्ड पर लिख रही थीं और अमाल उन्हें ऐसा करने से रोक रहे थे। पर नेहल ने उनसे कहा कि उनका हाथ कहीं और जा रहा है। ये सुनते ही अमल तुरंत हट गए और कहा कि ऐसा जानबूझकर नहीं किया पर नेहल ने इस मुद्दे को बड़ा बना दिया और अमल पर सीधे-सीधे आरोप लगा दिया। लोगों को नेहल का ये आरोप बेबुनियाद लग रहा है। यूजर्स नेहल पर वुमन कार्ड खेलने का आरोप लगा रहे हैं। कुछ ने दावा किया कि अमाल ने कुछ भी गलत नहीं किया बस गलती से उन्हें धक्का दे दिया। कुछ ने नेहल को बेवजह मुद्दा बनाने के लिए भी फटकार लगाई है। वो अमाल के कंधे पर भी बैठ गई थीं, इसको लेकर भी उनकी जमकर आलोचना हो रही है। एक यूजर लिखते हैं, नेहल को बिग बॉस से निकालो। बहुत इरिटेटिंग बेशर्म लड़की है।

किसान अंदोलन पर टिप्पणी कर विवादों में घिरी कंगना को नहीं मिला छुटकारा, कोर्ट ने नहीं दी राहत, कहा-आपने इसमें मसाला डाला है

बॉलीवुड एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत एक बार फिर अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विवादों में हैं। किसान आंदोलन के दौरान की गई उनकी टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा बयान देते हुए उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस संदीप मेहता ने कंगना के ट्वीट पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, ह्लयह कोई साधारण ट्वीट नहीं था, आपने इसमें मसाला डाला है। यही तो ट्रायल का मुद्दा है। कंगना रनौत ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मानहानि मामले को खारिज करने की मांग की थी, लेकिन सुनवाई के दौरान उन्होंने अपनी याचिका वापस ले ली। उनकी ओर से दलील दी गई कि मूल ट्वीट उन्होंने शिकायतकर्ता के खिलाफ नहीं लिखा था, बल्कि शाहीन बाग प्रदर्शन से जुड़े एक अन्य मुद्दे पर टिप्पणी की थी। कंगना के वकील ने कहा कि निचली अदालत ने समन जारी करते समय उनकी सफाई पर गौर नहीं किया। साथ ही यह भी दलील दी गई कि कंगना पंजाब में ट्रायल अटेंड करने नहीं जा सकतीं। इस पर जस्टिस मेहता ने साफ कहा कि ट्रायल कोर्ट का काम केवल शिकायत में दर्ज तथ्यों की जांच करना है, न कि आरोपी की सफाई पर विचार करना। यह विवाद साल 2021 के किसान आंदोलन से जुड़ा हुआ है। पंजाब के बठिंडा जिले की 73 वर्षीय महिंदर कौर ने जनवरी 2021 में कंगना रनौत के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि कंगना ने एक री-ट्वीट में उन्हें शाहीन बाग आंदोलन की उस बुजुर्ग महिला से जोड़ दिया था, जो पहले नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) विरोध प्रदर्शन का हिस्सा रही थीं। महिंदर कौर का कहना था कि कंगना द्वारा लगाया गया यह आरोप पूरी तरह से झूठा है और इससे उनकी छवि धूमिल हुई है।

संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया पर भड़की बहन मंधीरा, परिवार से दूर करने का लगाया आरोप, भाभी करिश्मा को कहा बेस्ट फ्रेंड

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर के निधन के बाद अब उनकी संपत्ति को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। करीब 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति पर अधिकार को लेकर मामला दिल्ली हाईकोर्ट तक पहुंच चुका है। इस पारिवारिक कलह के बीच संजय कपूर की बहन मंधीरा कपूर स्मिथ ने चुप्पी तोड़ते हुए अपनी भाभी करिश्मा और उनके बच्चों के समर्थन में खुलकर बयान दिया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में मंधीरा कपूर ने साफ कहा कि संजय की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव कपूर के साथ उनके रिश्ते तनावपूर्ण रहे। उन्होंने बताया कि प्रिया ने उनसे दूरी बना ली थी। वहीं, करिश्मा के साथ उनका रिश्ता वक्त के साथ और भी मजबूत होता चला गया। मंधीरा ने करिश्मा को अपनी सबसे अच्छी दोस्त बताते हुए कहा लोलो (करिश्मा कपूर) मेरे जीवन की बहुत अहम इंसान हैं और सालों में हमारा रिश्ता गहराता गया है। आगे मंधीरा ने करिश्मा के बच्चों समायरा और कियान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, श्मेरी भतीजी और भतीजा, समायरा और कियान को करिश्मा ने जिस तरह से पाला है, तो मुझे बहुत गर्व होता है। जब भी मैं उनसे बात करती हूं और वे मुझे बताते हैं कि वे लाइफ में क्या कर रहे हैं और उनकी जिंदगी कैसी है तो मुझे बहुत गर्व होता है। इंटरव्यू के दौरान मंधीरा ने यह भी खुलासा किया कि संजय और प्रिया के बेटे अजैरियास से उन्हें दूर रखा गया। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि वह अपने भतीजे के साथ उतना वक्त नहीं बिता पाईं, जितना वह चाहती थीं। संपत्ति और वसीयत को लेकर चल रही कानूनी जंग पर मंधीरा ने कहा कि उन्हें भारत की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। उनका मानना है कि इस प्रक्रिया से पारदर्शिता सामने आएगी और परिवार को स्पष्टता मिलेगी।

लव इन वियतनाम को देख दर्शकों ने दी मिली-जुली प्रतिक्रिया, बोले- जेने की फिल्म

अवनीत कौर और शांतनु माहेश्वरी अभिनीत 'लव इन वियतनाम' फिल्म आज शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसे देखने के बाद यूजर्स एक्स पर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। राहत शाह काजमी द्वारा निर्देशित 'लव इन वियतनाम' फिल्म में मोहब्बत और जुदाई की कहानी दिखाई गई है। इस फिल्म में अवनीत कौर और शांतनु माहेश्वरी ने मुख्य भूमिका निभाई है। आज 12 सितंबर को यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसे देखकर दर्शक एक्स पर प्रतक्रियाएं दे रहे हैं। आइए जानते हैं दर्शकों को कैसी लगी फिल्म।

सगाई के बाद पहले ही मैच में चमके अर्जुन तेंदुलकर; पहली ही गेंद पर किया शिकार, झटके पांच विकेट

बंगलूरू (एजेंसी)। अर्जुन तेंदुलकर ने गेंदबाजी के साथ-साथ बल्ले से भी योगदान दिया। गोवा ने पहली पारी में 333 रन बनाए, जिसमें अर्जुन ने नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों पर 36 रन जोड़े। भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर के बेटे और मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए सबको चौंका दिया। कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (डरउअ) द्वारा आयोजित डॉ. (कैप्टन) के. थिम्मप्पैया मेमोरियल टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में गोवा की ओर से खेलते हुए अर्जुन ने अपनी पुरानी टीम महाराष्ट्र के खिलाफ पहली ही गेंद पर विकेट लेकर जोरदार शुरूआत की। उन्होंने ओपनर अनिरुद्ध साबले को आउट कर पारी का आगाज किया। तेज शुरूआत से महाराष्ट्र पर दबाव अर्जुन ने इसके बाद महाराष्ट्र के दूसरे ओपनर महेश म्हासके को एलबीडब्ल्यू आउट कर महाराष्ट्र को बैकफुट पर धकेल दिया। इस शानदार शुरूआत ने गोवा के बाकी गेंदबाजों का भी आत्मविश्वास बढ़ाया। लख्मेश पावने ने यश क्षीरसागर को आउट किया, वहीं अर्जुन ने तीसरा झटका देते हुए दिग्विजय पाटिल के स्टंप्स उखाड़ दिए। इस समय महाराष्ट्र का स्कोर मात्र 15/4 था।

सुप्रीम कोर्ट में बोल्सनारो दोषी करार

पैनल ने सुनाई 27 साल जेल की सजा; तख्तापलट की साजिश का था आरोप

ब्रासीलिया (एजेंसी)। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को तख्तापलट की कोशिश का दोषी ठहराया है। पांच न्यायाधीशों के पैनल में से चार ने उन्हें पांच मामलों में दोषी पाया है। पैनल ने बोल्सोनारो को तख्तापलट की साजिश के आरोप में दोषी ठहराते हुए 27 साल और तीन महीने की जेल की सजा सुनाई है। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के एक पैनल ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को 2022 में चुनावी हार के बावजूद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की कोशिश का दोषी ठहराया। पांच में से चार जजों के पैनल ने बहुमत से बोल्सोनारो को 27 साल और तीन महीने की जेल की सजा सुनाई है। यह फैसला देश की राजनीति में और गहरी दरार पैदा करेगा और माना जा रहा है कि इससे अमेरिका की नाराजगी भी बढ़ सकती है। 2019 और 2022 के बीच ब्राजील पर शासन करने वाले इस अति-दक्षिणपंथी नेता को पांच मामलों में दोषी पाया गया है। पांच न्यायाधीशों की पैनल में से अब तक चार ने उन्हें दोषी ठहराया है। बुधवार को न्यायाधीश लुइज फुक्स ने उनके पक्ष में फैसला देते हुए सभी आरोपों से बरी करने के लिए मतदान किया था, जबकि बृहस्पतिवार को

न्यायाधीश कार्मेन लूसिया ने बोल्सोनारो को दोषी ठहराने के पक्ष में मतदान किया। वर्तमान में बोल्सोनारो वर्तमान में नजरबंद हैं। उनके वकीलों का कहना है कि वे इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की 11 जजों वाली पीठ में अपील करेंगे। हालांकि, बोल्सोनारो ने सभी आरोपों से इनकार किया है और अदालत की सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हुए, केवल अपने वकीलों को भेजा। ट्रंप ने कहा- वह इस सजा से बहुत नाखुश हैं अदालत के फैसले के कुछ घंटे बाद ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इस सजा से 'बहुत नाखुश' हैं। व्हाइट हाउस से निकलते समय पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें बोल्सोनारो हमेशा से उत्कृष्ट लगते रहे हैं। अब भी ब्राजील की राजनीति में मजबूत खिलाड़ी हैं बोल्सोनारो कानूनी मुश्किलों के बावजूद बोल्सोनारो अब भी ब्राजील की राजनीति में मजबूत खिलाड़ी बने हुए हैं। उन्हें पहले ही एक अलग मामले में 2030 तक चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जा चुका है। ऐसे में वे अगले साल राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा को चुनौती देने के लिए अपने किसी नजदीकी नेता को मैदान में उतार सकते हैं। यह फैसला बोल्सोनारो के समर्थक सांसदों को उन्हें संसद से किसी तरह की माफी दिलाने की कोशिश करने के लिए भी प्रेरित कर सकता है।

ट्रंप प्रशासन की नीति पर राष्ट्रव्यापी रोक, अब 'हेड स्टार्ट' से बाहर नहीं होंगे अवैध प्रवासियों के बच्चे

वाशिंगटन (एजेंसी)। संघीय न्यायाधीश ने पूरे देश में ट्रंप प्रशासन की उस नीति पर रोक लगा दी है, जिसके तहत अवैध प्रवासियों के बच्चों को हेड स्टार्ट प्री-स्कूल कार्यक्रम से वंचित किया जा रहा था। इससे पहले यह रोक केवल 21 राज्यों में लागू थी। अब अदालत के आदेश से यह नीति पूरे अमेरिका में स्थगित हो गई है। एक संघीय न्यायाधीश की अदालत से ट्रंप प्रशासन को एक और झटका लगा है। न्यायाधीश ने प्रशासन की उस नीति पर राष्ट्रव्यापी रोक लगा दी है, जिसके तहत अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों के बच्चों को संघीय वित्तपोषित प्री-स्कूल कार्यक्रम हेड स्टार्ट में दाखिला लेने से रोका जा रहा था। कई राज्यों के हेड स्टार्ट संघों ने अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग (ल्लल्र) द्वारा नीति में बदलाव के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। वाशिंगटन राज्य के संघीय न्यायाधीश ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को यह आदेश दिया। इससे पहले 21 डेमोक्रेटिक अटॉर्नी जनरलों के गठबंधन ने अपने-अपने राज्यों में इस नीति को अस्थायी रूप से रोकने में सफलता हासिल की थी। अब अदालत के नए आदेश से यह रोक पूरे देश में लागू हो गई है। दरअसल, जुलाई में एचएचएस ने एक नया नियम प्रस्तावित किया था, जिसके तहत अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों को कुछ सामाजिक सेवाओं- जैसे हेड स्टार्ट और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम से बाहर करने की कोशिश की गई थी। जबकि, राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के कार्यकाल में बने एक संघीय कानून के तहत ये कार्यक्रम पहले सभी के लिए उपलब्ध कराए गए थे। यह बदलाव ट्रंप प्रशासन के उस व्यापक प्रयास का हिस्सा था, जिसके तहत संघीय पात्रता नियमों में बदलाव करके कानूनी दर्जा न रखने वाले लोगों को सामाजिक सेवाओं से वंचित किया जा रहा था। प्रभावित कार्यक्रमों तक प्रवासियों की पहुंच रोक दी जाएगी, क्योंकि इन्हें अब संघीय सार्वजनिक लाभ के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा।

'पति नपुंसक, ससुर ने मेरा शोषण किया'

महिला ने रिटायर्ड पुलिस अधिकारी पर लगाए गंभीर आरोप

मुंबई (एजेंसी)। महिला ने ससुर पर बिना सहमति के बार-बार उसके कमरे में घुसने और पोते-पोती की इच्छा पूरी करने के बहाने यौन संबंध बनाने की मांग करने का आरोप लगाया है। पुणे में एक महिला ने अपने ससुर पर शोषण करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि उसका पति नपुंसक है और उसके ससुर ने बच्चे के लिए उसका उत्पीड़न किया और शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव डाला। आरोपी सेवानिवृत्त सहायक पुलिस आयुक्त है। बहू की शिकायत पर पूर्व पुलिस अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि शिकायत में न केवल सेवानिवृत्त अधिकारी, बल्कि पीड़िता के पति और सास के खिलाफ भी आरोप शामिल हैं। महिला ने लगाए गंभीर आरोप पुलिस के अनुसार,

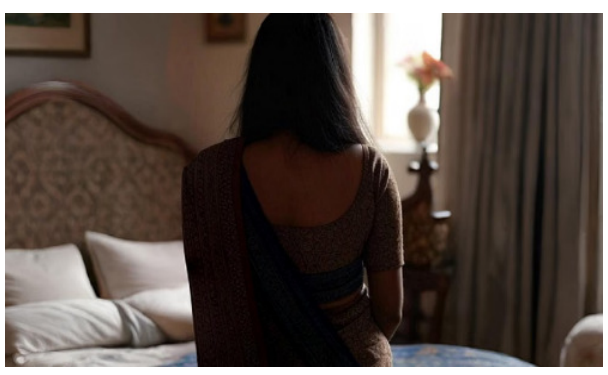

महिला ने आरोप लगाया है कि उसका पति बच्चा पैदा करने में असमर्थ है। महिला का कहना है कि डॉक्टर से परामर्श लेने या प्रजनन संबंधी उपचार जैसे विकल्पों पर विचार करने के बजाय, उसके पति और सास ने उसके ससुर के माध्यम से उस पर बच्चा पैदा करने का दबाव डाला। महिला ने ससुर पर बिना सहमति के बार-बार उसके कमरे में घुसने और पोते-पोती की इच्छा पूरी करने के बहाने यौन संबंध बनाने की मांग करने का आरोप लगाया है। महिला की शादी पांच महीने पहले हुई थी। महिला ने शिकायत में बताया कि हनीमून के दौरान उसके पति ने शारीरिक संबंध बनाने से इनकार कर दिया। महिला ने पति के नपुंसक होने का दावा किया। महिला ने बताया कि उसके ससुर की हरकतों को उसके पति और सास का भी समर्थन था। समृद्धि एक्सप्रेसवे पर वाहनों में पंक्चर होने पर ठेकेदार पर मामला दर्ज महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर ग्राउटिंग कार्य के दौरान तीन वाहनों में पंक्चर होने के बाद ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि विभिन्न धाराओं में दौलताबाद पुलिस थाने में सत्यनारायण नाम के व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। बुधवार को नागपुर-मुंबई समृद्धि एक्सप्रेसवे पर एक पुल को मजबूत करने के लिए किए जा रहे इंजेक्शन ग्राउटिंग कार्य के दौरान तीन वाहन पंक्चर हो गए। एक्सप्रेसवे के मालीवाड़ा खंड पर ग्राउटिंग का काम चल रहा था और ठेकेदार ने कथित तौर पर मजबूत बैरिकेड्स नहीं लगाए और काम के दौरान मार्ग परिवर्तन के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले रिफ्लेक्टर का उपयोग नहीं किया, जिससे दुर्घटनाएं हो सकती थीं।

पत्नी पर गैर-मर्द के साथ संबंध के शक ने बनाया हैवान, लेक्चरर ने दोनों से की मारपीट, सड़क पर कराई परेड

भुवनेश्वर (एजेंसी)। नीमापाड़ा पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक बामदेव स्वैन ने बताया, 'हमने लेक्चरर और उसके सहयोगी को एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने, उसके साथ मारपीट करने और उन्हें सड़कों पर घुमाकर सार्वजनिक रूप से अपमानित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।' ओडिशा पुलिस ने एक 43 वर्षीय कॉलेज लेक्चरर सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उन पर अपनी 37 साल की पत्नी और उसके पुरुष साथी को विवाहेतर संबंध होने के संदेह में सड़क पर घुमाने का आरोप है। हालांकि, पत्नी लेक्चरर से अलग रह रही थीं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार रात पुरी जिले के नीमापाड़ा कस्बे में हुई। आरोपी लेक्चरर ने अपने दोस्त के साथ पत्नी के घर में घुस गए और कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की। पत्नी पिछले कुछ साल से

अलग रह रही थी। व्यक्ति के साथ संबंध का आरोप लेक्चरर ने दावा किया कि उसकी पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति के साथ संबंध था। इस वजह से उसके साथ मारपीट की गई। हालांकि, पुलिस ने कहा कि पत्नी और उसके पुरुष साथी दोनों ने इस आरोप को खारिज कर दिया। सड़कों पर घुमाकर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया नीमापाड़ा पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक बामदेव स्वैन ने बताया, 'हमने लेक्चरर और उसके सहयोगी को एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने, उसके साथ मारपीट करने और उन्हें सड़कों पर घुमाकर सार्वजनिक रूप से अपमानित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।' सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक कथित वीडियो क्लिप में कॉलेज लेक्चरर और उसका दोस्त महिला और उसके साथी के साथ मारपीट करते और उन्हें घुमाते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, समाचार एजेंसी पीटीआई या अमर उजाला स्वतंत्र रूप से वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सका। महिला का एक 14 साल का बेटा पुलिस ने बताया कि महिला का एक 14 साल का बेटा है। वह नीमापाड़ा शहर में किराए के एक मकान में अलग रह रही थी।

चार्ली किर्क के हत्यारे का वीडियो आया सामने, छतों से भागकर फरार होते दिखाई दिया

वाशिंगटन (एजेंसी)। एफबीआई ने शूटर की गिरफ्तारी में मददगार जानकारी देने वाले को 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का इनाम देने की घोषणा भी की है और संदिग्ध सुरक्षा कैमरों की धुंधली तस्वीरें प्रसारित कीं हैं। अमेरिकी जांचकताओं ने शुक्रवार को रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या में शामिल एक संदिग्ध व्यक्ति की नई तस्वीरें और वीडियो फुटेज जारी कीं। पुलिस ने बताया कि उन्होंने वह राइफल बरामद की है। माना जा रहा है कि इस राइफल का इस्तेमाल चार्ली किर्क की हत्या के लिए किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा कैमरों की फुटेज में एक व्यक्ति यूनिवर्सिटी कैंपस की छत पर जाने के लिए सीढ़ियां चढ़ता, गोली चलाता और फिर भागता और छत से नीचे कूदता हुआ दिखाई दे रहा है। संदिग्ध की जानकारी देने पर एक लाख अमेरिकी डॉलर इनाम का एलान वीडियो में संदिग्ध को सड़क पार करते और एक जंगली इलाके में जाते हुए भी देखा गया है। पुलिस ने उस जंगल से एक राइफल भी बरामद की है। पुलिस को शक है कि यह वही राइफल है, जिससे चार्ली किक की हत्या हुई। पुलिस ने बताया कि उन्हें विश्वविद्यालय की इमारत पर संदिग्ध के हाथों के निशान और अन्य डीएनए सबूत मिले हैं। पुलिस को उम्मीद है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एफबीआई ने शूटर की गिरफ्तारी में मददगार जानकारी देने वाले को 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का इनाम देने की घोषणा भी की है और संदिग्ध सुरक्षा कैमरों की धुंधली तस्वीरें प्रसारित कीं हैं।

सैन्य मध्यस्थता के बहाने राजशाही बहाल करने की हो रही साजिश, नेपाल के सामाजिक संगठन का दावा

काठमांडु (एजेंसी)। नेपाल ने साल 2008 में राजशाही खत्म हो गई थी। हालांकि इस साल फिर से राजशाही लागू करने की मांग को लेकर नेपाल में विरोध प्रदर्शन हुए। साथ ही पूर्व राजा ज्ञानेंद्र सिंह की सक्रियता भी काफी बढ़ गई है। अब जब नेपाल में कोई सरकार नहीं है और पूरी कमान सेना के हाथ में है तो ऐसे में चर्चा है कि नेपाल में फिर से राजशाही बहाल हो सकती है। नेपाल के एक नागरिक समाज संगठन ने आरोप लगाया है कि नेपाल में सैन्य मध्यस्थता के बहाने राजशाही बहाल करने की साजिश रची जा रही है। नेपाल में विरोध प्रदर्शन और के.पी. शर्मा ओली

सरकार के पतन के बाद अंतरिम सरकार के गठन को लेकर बातचीत जारी है। विभिन्न क्षेत्रों के लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले सामाजिक संगठन बृहत नागरिक आंदोलन (बीएनए) ने गुरुवार को एक बयान में नेपाली सेना की राष्ट्रीय मामलों में बढ़ती भूमिका पर चिंता व्यक्त की। समूह ने बयान जारी कर सेना पर लगाए आरोप मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सामाजिक समूह ने आरोप लगाया कि 'युवा पीढ़ी के आंदोलन के शहीदों के शवों पर, धर्मनिरपेक्षता, संघवाद और समावेशी व्यवस्था को खत्म करने के लिए सैन्य मध्यस्थता की आड़ में राजशाही बहाल करने की एक गंभीर साजिश रची जा रही है।' समूह ने कहा कि 'इस तरह के प्रयास पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। सरकार-विरोधी आंदोलन का उद्देश्य कभी भी गणतंत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता को पलटना या सेना की असंवैधानिक सक्रियता का विस्तार करना नहीं था।' नेपाल ने साल 2008 में राजशाही खत्म हो गई थी। हालांकि इस साल फिर से राजशाही लागू करने की मांग को लेकर नेपाल में विरोध प्रदर्शन हुए। साथ ही पूर्व राजा ज्ञानेंद्र सिंह की सक्रियता भी काफी बढ़ गई है। अब जब नेपाल में कोई सरकार नहीं है और पूरी कमान सेना के हाथ में है तो ऐसे में चर्चा है कि नेपाल में फिर से राजशाही बहाल हो सकती है। अंतरिम सरकार के गठन की कोशिशें तेज पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को नेपाल में कार्यवाहक सरकार का प्रमुख नियुक्त किया जा सकता है। उन पर आंदोलनकारी समूह की मांगों को पूरा करते हुए नए चुनाव कराने की जिम्मेदारी होगी। सरकार विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले जेनरेशन-जेड समूह के प्रतिनिधियों, सेना प्रमुख और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल सहित कई हितधारकों के बीच गुरुवार आधी रात तक चली बातचीत बेनतीजा रही। हालांकि, कई सूत्रों ने बताया कि युवाओं के नेतृत्व वाले जेन-जेड समूह ने नए प्रधानमंत्री पद के लिए कार्की के नाम का प्रस्ताव रखा। राष्ट्रपति पौडेल शुक्रवार सुबह कार्की को नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त कर सकते हैं। नेपाल में सरकार ने बीते दिनों सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार का यह कदम आत्मघाती साबित हुआ और सोमवार को बड़ी संख्या में युवा प्रदर्शनारी सड़कों पर उतर आए और संसद भवन में घुस गए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए फायरिंग की, जिसमें 19 लोगों की मौत हो गई। इसके बाद सरकार बैकफुट पर आ गई और आपात बैठक बुलाकर सोशल मीडिया से प्रतिबंध हटा दिया। हालांकि प्रदर्शनकारियों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और मंगलवार को फिर से नेपाल में हिंसा भड़क गई।

अमेरिकी नौसेना अकादमी में गोलीबारी की अफवाह से मचा हड़कंप, संस्थान में किया गया लॉकडाउन; एक युवक घायल

वॉशिंगटन (एजेंसी)। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि मैरीलैंड के एनापोलिस स्थित अमेरिकी नौसेना अकादमी को सोशल मीडिया पर परिसर में एक सक्रिय शूटर होने के बारे में धमकी मिली। यह धमकी एक छात्र ने दी थी जिसे अकादमी से निकाल दिया गया था। इसके बाद संस्थान में लॉकडाउन कर दिया गया। अमेरिकी नौसेना अकादमी में गोलीबारी की अफवाह के बाद हड़कंप मच गया। आनन फानन संस्थान में लॉकडाउन कर दिया गया। हालांकि अफवाह की जांच के दौरान एक युवक घायल हो गया। अफसर मामले की जांच कर रहे हैं। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि मैरीलैंड के एनापोलिस स्थित अमेरिकी नौसेना अकादमी को सोशल मीडिया पर परिसर में एक सक्रिय शूटर

होने के बारे में धमकी मिली। यह धमकी एक छात्र ने दी थी जिसे अकादमी से निकाल दिया गया था। इसके बाद संस्थान में लॉकडाउन कर दिया गया। नौसेना अकादमी के प्रवक्ता के एक बयान के अनुसार संस्थान में कोई सक्रिय शूटर नहीं है। जब नौसेना सुरक्षा बल एक इमारत की सफाई कर रहे थे, तब एक व्यक्ति घायल हो गया। इससे पहले बैनक्रॉफ्ट हॉल के अंदर गोलियों की आवाज सुनी गई थी, जहां मिडशिपमैन रहते हैं। नौसेना अकादमी में ये धमकियां और लॉकडाउन यूटा विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में प्रमुख दक्षिणपंथी नेता चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या के एक दिन बाद आई हैं। अमेरिकी मीडिया ने कहा कि रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने भी पुष्टि की है कि एजेंसी को परिसर में तालाबंदी की जानकारी है। अधिकारी नौसेना के साथ स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

इस्राइल-हमास युद्ध के बाद ऑस्ट्रेलिया में बढ़ीं मुस्लिम विरोधी घटनाएं

रिपोर्ट में दावा

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में इस्लामोफोबिया से निपटने के लिए नियुक्त किए गए विशेष दूत ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से पूरे ऑस्ट्रेलिया में मुस्लिम विरोधी घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार के इस्लामोफोबिया पर विशेष दूत आफताब मलिक ने शुक्रवार को सरकार को अपनी पहली रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में 54 सिफारिशें की गई हैं, जिनमें संभावित भेदभाव की जांच के

लिए आतंकवाद-रोधी कानूनों की समीक्षा की सिफारिश भी शामिल है। इस्राइल-हमास युद्ध के बाद बढ़ीं मुस्लिम विरोधी घटनाएं आफताब मलिक ने अपनी रिपोर्ट में इस्लामोफोबिया (मुस्लिम विरोधी) की व्यापक जांच की भी सिफारिश की ताकि इसके मुख्य कारणों और सरकारी नीतियों में संभावित भेदभाव की जांच की जा सके। मलिक ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'वास्तविकता यह है कि ऑस्ट्रेलिया में इस्लामोफोबिया लगातार बना हुआ है, कभी इसे नजरअंदाज किया गया और कभी नकारा गया, लेकिन कभी पूरी तरह से इसका समाधान नहीं किया गया।' उन्होंने कहा कि 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका पर अल-कायदा के हमलों के बाद से मुस्लिम विरोधी घटनाएं तेज हो गई थीं। ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने जताई चिंता मलिक ने कहा कि 2023 में हमास द्वारा इस्राइल पर हमले के बाद से मुस्लिम विरोधी घटनाओं में 150% और ऑनलाइन 250% की वृद्धि हुई है। मलिक ने रिपोर्ट में कहा, '7 अक्टूबर, 2023 से इस्लामोफोबिक घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है।' इस रिपोर्ट पर प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि उनकी सरकार मलिक की सिफारिशों पर सावधानीपूर्वक विचार करेगी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।